सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 234 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 7 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बोले पीएम मोदी : सरकार चलाने के लिए बहुमत जरूरी और देश चलाने के लिए सर्वमत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल ने नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना। भाजपा के वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने लोकसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और भाजपा के नेता के रूप में नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। इसके बाद वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह, नितिन गडकरी और राजग के साथी तेदेपा के चंद्रबाबू नायडू, जदयू के नीतीश कुमार, शिवसेना के एकनाथ शिंदे समेत अन्य नेताओं ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

इस दौरान कार्यवाहक पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि जो साथ विजय होकर आए हैं, वो सभी अभिनंदन के अधिकारी हैं। जिन लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात परिश्रम किया है, उन लोगों ने न दिन देखा, न रात देखी। इतनी भयंकर गर्मी में हर दल के कार्यकर्ता ने जो पुरुषार्थ, परिश्रम किया है, मैं आज संविधान सदन से उन्हें सिर झुकाकर प्रणाम करता हूं। साथियों मेरा बहुत सौभाग्य है कि एनडीए के नेता के रूप में आप सब साथियों ने सर्वसम्मति से चुनकर मुझे नया दायित्व दिया है। इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं।

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत जीवन में मुझे जवाबदारी का एहसास करता हूं। 2019 में जब आप सभी ने मुझे नेता के रूप में चुना था, तब मैंने एक बात पर बल दिया था- विश्वास। आज जब आप मुझे फिर से एक बार ये दायित्व दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि हमारे बीच विश्वास का सेतु बहुत मजबूत है। अटूट रिश्ता विश्वास के मजबूत धरातल पर है। ये पल भावुक करने वाला भी है। आप सबके प्रति जितना धन्यवाद करूं, उतना कम है।

तीन आईएएस अफसरों का तबादला, नीलेश क्षीरसागर बने कांकेर के कलेक्टर

रायपुर। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद छत्तीसगढ़ में अब अफसरों का स्थानांतरण शुरू हो गया है। शुक्रवार को सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य सरकार के तीन आईएएस का तबादला आदेश जारी किया है। प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त कलेक्टर, जिला कांकेर के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं कांकेर के कलेक्टर अभिजीत सिंह को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त विशेष सचिव, गृह एवं जेल विभाग के पद पर पदस्थ किया गया। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सारंगढ़, जिला- सारंगढ़-बिलाईगढ़ वासु जैनको अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक अवर सचिव, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग के पद पर पदस्थ किया गया।

मंत्री बनने कई विधायक लाइन में

केन्द्र सरकार में भी छत्तीसगढ़ को मिलेगा एक मंत्री पद

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार होने जा रहा है। वहीं यह भी करीब-करीब तय है कि राज्य से एक सांसद को केन्द्र में मंत्री बनाया जाएगा। जहां छत्तीसगढ़ के साय मंत्रिमंडल में 2 मंत्रियों को शामिल किए जाने की चर्चा है, वहीं राज्य से हालिया निर्वाचित 3 सांसदों में से किसी एक के केन्द्रीय मंत्री बनने की संभावना है। छत्तीसगढ़ की साय केबिनेट में फेरबदल और विस्तार को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही है। माना जा रहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद कुछ मंत्रियों को बदला जा सकता है, वहीं बृजमोहन अग्रवाल के सांसद निर्वाचित होने के बाद अब उनका मंत्री पद भी रिक्त हो जाएगा। मंत्री का एक पद पहले से ही खाली है। ऐसे में जल्द ही केबिनेट में नए चेहरे नजर आ सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय फिलहाल दिल्ली में हैं, ऐसे में संभावना है कि वे मंत्रिमंडल में फेरबदल व विस्तार को लेकर चर्चा कर सकते हैं। राज्य में मंत्री बनने की लाइन में 8 से 10 विधायक बताए गए हैं।

गुरूवार को दिल्ली में होने वाली अहम् बैठक के लिए जब सीएम साय, दोनों डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष के साथ रवाना हुए तो इस चर्चा को भी बल मिला कि राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल का चेहरा बदल सकता है। भले ही दिल्ली रवानगी की वजह भाजपा शासित प्रदेश के नेताओं और सांसदों की बैठक लेना हो, लेकिन प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद ही यह तय किया गया था कि मंत्रिमंडल के रिक्त पद लोकसभा चुनाव के बाद भरे जाएंगे। बाद में

कई नामों की चर्चा

साय कैबिनेट में शामिल होने के लिए कई विधायकों के नाम चर्चा में हैं। इनमें धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर के साथ ही गजेन्द्र यादव, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, डोमनलाल कोर्सेवाडा के अलावा महेश कश्यप शामिल हैं। इनमें से 2 से 3 विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं कुछेक को निगम, मंडलों में भी अहम् जिम्मेदारी दी जा सकती है। संसदीय सचिव भी बनाए जाने हैं। मंत्रिमंडल व संगठन की बैठक के बाद ही नए मंत्रियों के नामों पर मुहर लगेगी, लेकिन इससे पहले सीएम साय को दिल्ली दरबार से भी हरी झंडी लेनी होगी। क्योंकि सीएम फिलहाल दिल्ली में ही हैं, इसलिए इस बात की संभावना ज्यादा है कि वे अपने मंत्रिमंडल में विस्तार और फेरबदल को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं। पहले विधानसभा और अब लोकसभा में छत्तीसगढ़ के प्रदर्शन से पार्टी नेतृत्व खुश है और पूरी संभावना है कि आलाकमान से फौरन हरी झंडी मिल जाएगी। मंत्रिमंडल फेरबदल की खबरों के बीच दावेदार विधायकों ने लामबंदी भी तेज़ कर दी है।

यह भी निर्धारित किया गया कि मंत्रियों और विधायकों का परफारमेंस भी देखा जाएगा। लोकसभा के नतीजे आने के बाद भाजपा को छत्तीसगढ़ से नई ऊर्जा मिली है और यह भी स्पष्ट हो गया है कि मंत्रियों और विधायकों का परफारमेंस कैसा रहा। इसीलिए संभावना जताई जा रही है कि साय मंत्रिमंडल में नए चेहरे जल्द ही नजर आ सकते हैं।

फेरबदल भी संभव?

गौरतलब है कि साय मंत्रिमंडल में फिलहाल एक मंत्री पद रिक्त है, जबकि बृजमोहन अग्रवाल के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उनके लिए दिल्ली की राजनीति के दरवाजे खुल गए हैं। ऐसे में सरकार के पास दो मंत्री पद भरने की जगह है। वहीं एक या दो मंत्री को बदले जाने की भी चर्चा है। ऐसा होता है तो साय केबिनेट में 3 से 4 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। कई विधायकों का परफारमेंस लोकसभा चुनाव में बेहतर रहा है। उनके क्षेत्रों में पार्टी प्रत्याशियों को खासी लीड मिली, जो जीत का आधार बनी। राज्य की कई सीटों को भाजपा अपने लिए चुनौतीपूर्ण मान रही थी, वहां मिली जीत के बाद उस क्षेत्र के विधायकों को इसका ईनाम मिलना तय है। युवा विधायकों को निगम, मंडलों में अडजस्ट किया जा सकता है, वहीं सीनियर विधायकों को भी सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। भाजपा को सभी 4 एसटी सीटों पर जीत मिली है, ऐसे में कम से कम एक मंत्री पद एसटी विधायक के खाते में जा सकता है। फिलहाल इस वर्ग से रामविचार नेताम पहले से ही मंत्री हैं।

सीएम ने दिए संकेत, मिलेगा केन्द्र में मंत्री पद

दिल्ली रवाना होने से पहले सीएम विष्णुदेव साय ने स्पष्ट संकेत दिए कि केन्द्र सरकार में छत्तीसगढ़ को मंत्री पद मिल सकता है। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी जोड़ा कि मंत्री बनाना प्रधानमंत्री का विवेकाधिकार है। मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल में छत्तीसगढ़ से दो सांसद मंत्री रहे हैं। इनमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल थे, जो मोदी के पहले कार्यकाल में केन्द्रीय इस्पात और खान राज्यमंत्री रहे। पिछले कार्यकाल में सरगुजा सांसद रेणुका सिंह को केन्द्रीय जनजातीय मामलों की राज्यमंत्री बनाया गया था। कहा जा रहा है कि इस बार भी राज्य के हालिया निर्वाचित 3 सांसदों में से किसी एक को मंत्री पद दिया जा सकता है। इनमें सर्वाधिक वोटों से जीतने का रिकार्ड बनाने वाले रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के साथ ही दुर्ग और राजनांदगांव के सांसदद्वय विजय बघेल व संतोष पाण्डेय के नाम शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनाने में विजय बघेल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं उन्होंने बेहद आक्रामक राजनीति करने वाले तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव भी लड़ा था। आलाकमान की गुडबुक में उनका नाम पहले नंबर पर है। वहीं संतोष पांडेय ने भूपेश बघेल जैसे कद्दावर नेता को हराकर भाजपा की साख बरकरार रखी।

समीक्षा करेगी भाजपा

भाजपा ने प्रदेश के सभी मंत्रियों को जिम्मेदारी दी थी कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से पार्टी प्रत्याशी को लीड दिलाएं। चुनाव नतीजों के बाद अब कहा जा रहा है कि पार्टी लोकसभा चुनाव की पूरी समीक्षा करने की तैयारी में है। प्रारंभिक तौर पर इसके लिए कल दिल्ली में बैठक हो चुकी है, लेकिन यह बैठक औपचारिक ज्यादा रही। जल्द ही नतीजों को लेकर अलग से समीक्षा बैठक होगी। इसके आधार पर सभी मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड तैयार होगा। भाजपा संगठन स्तर पर कमजोर क्षेत्र की कमियों को दूर करने का प्रयास करेगी। हालांकि यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पार्टी कोरबा की हार का ठिकरा किसके सिर पर फोड़ेगी। दरअसल, चुनाव परिणाम आने के बाद 10 सीटों पर जीत ने भाजपा को उसकी पुरानी प्रतिष्ठा लौटाई है, लेकिन पार्टी ने सभी 11 सीटें जीतने का लक्ष्य काफी पहले ही तय किया था। 9 सांसदों में से महज 2 को ही रिपीट किया गया, जबकि 7 सांसदों के टिकट काट दिए गए थे। इन 7 सीटों पर ज्यादातर नए चेहरे उतारे गए और उन्होंने जीत हासिल की। जगदलपुर की सीट कांग्रेस से वापस पाने में भी भाजपा कामयाब रही। अब मंत्रियों के परफारमेंस का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर उसकी समीक्षा करने की बातें कही जा रही है।

9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे नरेन्द्र मोदी

नईदिल्ली। लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस बार लोकसभा में एनडीए को 293 सीटें मिलीं। बहुमत मिलने के बाद से ही शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चर्चा हो रही थी। अब इसकी तारीख सामने आ गई है। बताया जा रहा है कि 9 जून को तीसरी बार नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से एनडीए का नेता चुन लिया गया है और सभी घटक दलों ने अपने समर्थन का पत्र सौंप दिया है।

मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू को अपना त्याग पत्र सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों का त्याग पत्र को स्वीकार कर लिया और साथ ही नए सरकार के गठन तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहने का आग्रह किया। पहले ही एनडीए ने सर्वसम्मिति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता मान लिया है। नई दिल्ली में बुधवार को हुई बैठक में एनडीए के 21 नेताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके मोदी को अपना नेता स्वीकृत किया। जिससे नरेंद्र मोदी के एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफहो गया है।

बता दें भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम एलान किए थे। इसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 240 सीटें और इसके बाद दूसरे नंबर पर 99 सीटों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही। हालांकि पिछली बार की अपेक्षा इस बार के चुनाव में भाजपा को 32 सीटों का नुकसान हुआ है। 2014 के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिली।

फर्जी आधार कार्ड लेकर संसद भवन में घुसने की कोशिश, तीन पकड़ाए

नईदिल्ली। फर्जी आधार कार्ड बनवाकर संसद घुसने की कोशिश कर रहे तीन बदमाशों को सीआईएसएफ ने गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और जांच शुरू कर दी है।

तीनों आरोपियों की पहचान- कासिम, मोनिस और शोएब के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। चार जून को तीन व्यक्ति संसद भवन में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उनके द्वारा दिखाए गए आधार कार्ड पर सीआईएसएफ को शक हुआ, जांच की गई तो पता चला कि तीनों लोगों के आईडी फर्जी हैं। इसके तुरंत बाद सीआईएसएफ के कर्मियों ने तीनों को हिरासत में ले लिया।

रेपो रेट में बदलाव नहीं

एमपीसी की बैठक में निर्णय, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का ऐलान

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले आरबीआई ने पिछले साल फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था। रेपो रेट बदलाव नहीं होने से लोगों की तमाम तरह की ईएमआई में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होगा।

इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक 5 जून से शुरू होकर 7 जून

2024 यानी शुक्रवार तक चली। बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो पिछले अनुमान 7 प्रतिशत से अधिक है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। दास ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के कारण सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। FY25 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट में पत्नी ने लगाई याचिका, जज ने बच्चा पैदा करने दोषी को दे दी पैरोल

बेंगलुरु (एजेंसी)। पत्नी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की थी। कोर्ट ने 30 दिन की पैरोल पर मुहर लगाई है। 5 जून से लेकर 4 जुलाई 2024 तक पैरोल दी है। हत्या के मामले में सजा काट रहे एक दोषी को हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पैरोल देने का फैसला किया है। दरअसल, हाईकोर्ट ने यह राहत दोषी की पत्नी की याचिका पर दी है, जो बच्चा पैदा करना चाहती थी। याचिका पर सुनवाई जस्टिस एसआर कृष्ण कर रहे थे। साल 2019 में ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

पत्नी ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की थी। कोर्ट ने 30 दिन की पैरोल पर मुहर लगाई है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने कहा, '(दोषी की) पत्नी सिर्फ आधार पर पैरोल चाहती है कि दोनों की शादी 11.3.2023 (पहली पैरोल के दौरान) को हुई थी और वह बच्चे के अधिकार से वंचित है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे में मैं पति को 30 दिनों की अवधि की सामान्य पैरोल देना उचित समझता हूं।' जस्टिस कुमार ने कोलार के आनंद को 5 जून से लेकर 4 जुलाई 2024 तक पैरोल की मंजूरी दी है। उसे ट्रायल कोर्ट की तरफ से उम्रकैद मिली थी, लेकिन 2023 में हाईकोर्ट ने सजा को घटाकर 10 साल कर दिया था। उसने बीते साल अप्रैल में कोर्ट से पैरोल मिलने के बाद शादी की थी।

याचिका में क्या: रिट याचिका में दोषी की पत्नी ने बताया है कि पति के जेल में होने के कारण वह संतान के अधिकार से वंचित है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि वह अपनी सास के साथ अकेले रहती हैं, जो बीमार हैं और अपने पोते-पोतियों के साथ समय बिताना चाहती हैं। इनपर विचार कर अदालत ने दोषी को पैरोल दे दी। हालांकि, यह शर्त भी शामिल है कि वह सप्ताह में एक बार पुलिस के सामने हाजिरी देगा।

अयोध्या के साधु-संतों ने उठाई आवाज

श्रीकंचनपथ

फैजाबाद सीट से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी की हार के बाद से ही भाजपा की ट्रोल सेना सक्रिय हो गई है। अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन नई-नई एडवाइजरी जारी की जा रही थी। कहा जा रहा था कि रामलला के दर्शन करने जाने वालों को वहां किसी भी प्रकार की कोई खरीदारी नहीं करनी चाहिए। लोगों को अपना पानी और नाश्ता भी घर से लेकर जाना चाहिए। दरअसल, भाजपा का समर्थन करने वाली ट्रोल सेना अब भाजपा के काबू से बाहर हो चुकी है। वह भस्मासुर बन गई है। अपनी अतिशयोक्तियों से उसने भाजपा का ही खेल खराब किया है। यहां तक कि जब अयोध्या और अयोध्यावासियों को लेकर विद्रुपकारी पोस्ट आने लगे तो उनका व्यू भी हजारों-लाखों में चला गया। अब इस पर अयोध्या के संतों ने आवाज बुलंद करने की कोशिश की है। वैसे भी साधु संत इस बात से नाराज हैं कि रामजन्मभूमि को लेकर किया गया उनका मूल आंदोलन अब कहीं खो गया है। उसके लिए साधु-संतों ने नाना प्रकार के कष्ट झेले थे, अनेक कुर्बानियां दी थीं। वर्षों की तपस्या के बाद कहीं जाकर राम मंदिर का निर्माण हो पाया है। इसका क्रेडिट कौन ले गया, इससे उन्हें कोई खास फर्क नहीं पड़ता पर अयोध्यावासियों, विशेषकर वहां के साधु संतों को लेकर जो टिप्पणियां की जा रही हैं, उसे पचाना अब मुश्किल हो चला है। जगदगुरु राम दिनेशचार्य ने सोशल मीडिया में अयोध्या वासियों के खिलाफ पोस्ट को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस तरीके के पोस्ट उचित नहीं है। अयोध्या के लोगों के बारे में पोस्ट किया जा रहा है कि हम सनातनी नहीं विधर्मी हैं। भाजपा प्रत्याशी को अयोध्या विधानसभा से अच्छी लीड मिली है पर फैजाबाद लोकसभा सीट के चार अन्य विधानसभा क्षेत्रों से क्यों हारे इसके लिए आत्ममंथन करना जरूरी है। वैसे भी साधु संतों का कहना है कि अयोध्या और उसके आसपास का क्षेत्र इन दिनों वीआईपी कल्चर से परेशान है। कभी इधर का रास्ता बंद तो कभी उधर का रास्ता बंद। वीआईपी भक्तों के आने से भक्तों को दर्शन में भी दिक्कतें हो रही हैं। यहां का माहौल धार्मिक कम और राजनीतिक ज्यादा हो चला है। यह लोगों की असुविधा का कारण बन रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि धर्म में राजनीति या राजनीति में धर्म का यह घालमेल देश को कहां ले जाएगा। लोकसभा चुनाव और दिल्ली में सरकार की कवायद के बीच एक और खबर दब कर रह गई है। अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में हाल ही में खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए हैं। धर्म के आधार पर राजनीति का ही एक रूप खालिस्तान आंदोलन भी है। आजादी के पहले से खालिस्तान के लिए आवाजें उठती रही हैं। खालिस्तान आंदोलन की वजह से ही अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर सैन्य कार्यवाही करनी पड़ी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी शहादत भी देनी पड़ी। अब यह मांग एक बार फिर उठने लगी है।

संपादकीय

दिल्ली के लिए पानी

बड़े कदमों की जरूरत है। जल संकट जैसी बुनियादी समस्या सिर्फबड़े-बड़े सियासी दावों या सर्वोच्च न्यायालय के फौरी फैसलों से कतई दूर नहीं हो सकती। जल संकट से पीड़ित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पक्ष में देश के सर्वोच्च न्यायालय का फैसला सुखद और स्वागतयोग्य है। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को दोटूक निर्देश दिया है कि वह दिल्ली को शुक्रवार को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी प्रदान करे।

यह प्रशंसनीय है कि हिमाचल प्रदेश सरकार अतिरिक्त पानी छोड़ने पर सहमत हो गई है। हरियाणा सरकार के वजीराबाद बैराज के जरिये यह पानी दिल्ली तक पहुंचेगा। गौर करने की बात है कि दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिलता रहा है, पर आबादी के साथ दिल्ली की जरूरतें भी बढ़ती जा रही हैं। अत: उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ रही है। क्या दिल्ली में पानी का दुरुपयोग हो रहा है या क्या दिल्ली में आने वाले अतिरिक्त पानी का दुरुपयोग होगा? शायद सर्वोच्च न्यायालय को ऐसा ही लगता है, इसलिए न्यायालय ने दिल्ली सरकार को पानी की बर्बादी के खिलाफ चेतावनी भी दी है। वास्तव में, पानी की बर्बादी पर सभी राज्य सरकारों को ध्यान देना चाहिए।

पानी की कमी आज की एक निर्मम सच्चाई है और इस कमी को दूर करने के लिए राज्य सरकारों को मिलकर प्रबंध करना चाहिए। इसमें अदालत के हस्तक्षेप की जरूरत कतई नहीं पड़नी चाहिए। गौर करने की बात है कि पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों से पानी की अतिरिक्त आपूर्ति की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। यह स्थिति प्रशंसनीय नहीं है, शासन-प्रशासन के स्तर पर ही ऐसे मामलों को मिल-जुलकर निपटाना चाहिए। न्यायालय के हस्तक्षेप को आमंत्रित करने से इन प्रदेशों के बीच परस्पर विश्वास कम होगा। बुनियादी रूप से जल की कमी पर सभी को मिलकर गौर करने की जरूरत है। भीषण गरमी के बीच दिल्ली लगभग हर साल जल की कमी से जूझती है। क्या दिल्ली के पास अपने जलाशय नहीं हैं? वर्षा-जल के संग्रहण की क्या व्यवस्था की गई है? क्या जल स्रोतों को संरक्षित करने, खासकर यमुना के संरक्षण के लिए किए गए प्रयास कारगर नहीं हैं? जल शोधन और जल के पुन: इस्तेमाल के लिए कितने कारगर कदम उठाए गए हैं? दिल्ली चूंकि राजधानी है, अत: जल संरक्षण के मोरचे पर उसे एक आदर्श स्थिति देश के सामने प्रस्तुत करनी चाहिए। जल संकट जैसी बुनियादी समस्या सिर्फ बड़े-बड़े सियासी दावों की वजह से दूर नहीं हो सकती। दिल्ली सरकार आज जिन राज्यों से पानी मांग रही है, उन्हीं राज्यों के साथ मिलकर उसे जलापूर्ति की स्थायी व्यवस्था बनानी चाहिए।

वैसे, दिल्ली सरकार ने पानी की बर्बादी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। पानी बर्बाद करते हुए पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। निर्माण स्थलों या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर किसी भी अवैध जल कनेक्शन को काटने का भी निर्देश दिया गया है। अवैध जल कनेक्शन एक बड़ी समस्या है, जल विभाग को पूरी ईमानदारी से जल की चोरी को रोकना चाहिए। वास्तव में, जल की चोरी करने वाले उसकी बर्बादी भी खूब करते हैं। आम तौर पर व्यावसायिक संस्थान और साधन संपन्न लोग भी जल का बेरहमी से दोहन करते हैं, अत: आम गरीब आदमी को जल का अभाव सर्वाधिक झेलना पड़ता है। भविष्य में जल जब नीला सोना होता जाएगा, तब उसे सहेजने का हुनर सीखना सबके लिए जरूरी होता जाएगा, पर क्या हम यह हुनर सीख-सिखा रहे हैं?

नजरिया

उच्च शिक्षा में वाजिब ऊंचाई का इंतजार

क्यूएस ही नहीं, अन्य प्रतिष्ठित रैंकिंग में भी सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिला मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय संस्थान और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग बताने वाली कुकक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) संस्था ने साल 2025 की अपनी रैंकिंग जारी की है, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों की संवर रही तस्वीर की कुछ झलक दिखती है।

हरिवंश चतुर्वेदी,
मुख्य शिक्षा सलाहकार, बिमटेक

पूर्व की तरह इस वर्ष भी रैंकिंग में शीर्ष पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी (एमआईटी) काबिज है, जबकि चार अन्य स्थान क्रमश: इम्पीरियल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के नाम हैं। मगर भारतीय शिक्षण संस्थानों ने भी अपनी रैंकिंग ठीक-ठाक सुधारी है। जैसे, आईआईटी, बॉम्बे को इस बार 118वां स्थान मिला है, जबकि पिछली रैंकिंग में वह 149वें पायदान पर थी। आईआईटी, दिल्ली भी पिछली बार के 197वें स्थान से 150वें पायदान पर पहुंच गई है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल हमारे शीर्ष दस संस्थानों में सबसे अधिक आईआईटी (सात) हैं, जबकि शेष तीन संस्थानों में आईआईएस (211वीं रैंकिंग), दिल्ली यूनिवर्सिटी (328) और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (323) शामिल हैं।

सवाल है कि क्यूएस ही नहीं, अन्य दो प्रतिष्ठित रैंकिंग- एसजेटीयू व टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिया मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? बाकी शिक्षण संस्थान मानकों पर क्यों खरे नहीं उतर पाते? इसकी एक वजह तो इन रैंकिंग की रूपरेखा है, जो काफी हद तक पश्चिमी विश्वविद्यालयों के अनुकूल होती है। इनमें कैंपस में विविधता, छात्रों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, शोध-कार्य, बुनियादी ढांचा, ब्रांड-वैल्यू आदि तमाम कसौटियों पर संस्थानों को परखा जाता है। ऐसे में, उन भारतीय संस्थानों को इसमें परोक्ष लाभ मिलता है, जो आजादी के पहले या स्वतंत्रता के तुरंत बाद खोले गए, क्योंकि उनको लगातार धनराशि मिलती रहती है। वे इसका जो हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, वह धन 'सरप्लस' के रूप में उनके पास जमा रह जाता है और इन पर मिलने वाला ब्याज आदि उनके लिए 'अक्षय निधि' बन जाता है। चूंकि ये पुराने संस्थान हैं, इसलिए इनका यह फंड भी करोड़ों रुपये में हो गया है, जिसका इस्तेमाल ये अपने हित में करते रहते हैं। यह सुविधा अन्य संस्थानों को हासिल नहीं है।

बेशक, तमाम संस्थानों में ट्यूशन फीस ली जाती है, पर यह उनकी कुल आमदनी का बमुश्किल 10 से 20 फीसदी हिस्सा होती है। आमदनी के अन्य स्रोतों का अधिकतम इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन-पेंशन आदि में किया जाता है। फिर, उच्च शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (हेफा) से जो ब्याज रहित या नाममात्र ब्याज पर कर्ज मिलता है, वह अमूमन केंद्रीय विश्वविद्यालयों या अच्छे संस्थानों के ही खाते में जाता है। इससे स्वाभाविक ही राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थिति दयनीय हो जाती है। फिर, राज्यों की आमदनी अलग-अलग है और उनका प्रबंधन भी। आलम यह है कि अब भी हमारे देश में कुल जीडीपी का बमुश्किल तीन फीसदी हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जबकि 1968 की पहली शिक्षा नीति में इसे छह प्रतिशत करने की वकालत की गई थी। जब राज्य सरकारों के पास पैसे होंगे ही नहीं, तो वे छह फीसदी कैसे खर्च करेंगी?

यहां यह नहीं समझा जाना चाहिए कि उच्च शिक्षा में महंगी फीस की वकालत की जा रही है। कम फीस के कारण ही देश में कई ऐसे छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर पाते हैं, जिनकी आर्थिक हैसियत निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की नहीं होती। मगर सच यह भी है कि राज्य के शिक्षण संस्थानों में शोध-कार्यों के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, पुस्तकालयों में प्रचुर मात्रा में किताबें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उचित उपकरण नहीं हैं। इस सूरतेहाल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई होगी कैसे?

इसका एक उपाय यह हो सकता है कि जो छात्र विपन्न हों, उनसे पूर्ववत फीस ली जाए, पर जो महंगी फीस का भार उठाने में सक्षम हैं, उनसे कुछ अधिक फीस वसूली जाए। हमें यह भी समझना होगा कि अच्छी उच्च शिक्षा के लाभार्थी सिर्फ विद्यार्थी नहीं होते, बल्कि वे संस्थाएं भी होती हैं, जो बच्चों की शिक्षा या कौशल का इस्तेमाल करती हैं। इन कंपनियों से शिक्षण संस्थानों में निवेश करवाया जा सकता है। अगर कंपनियां सीधे निवेश नहीं कर सकतीं, तो कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) में यह प्रावधान बनाया जा सकता है कि अगर वे अपने सीएसआर मद का तय हिस्सा किसी शिक्षण संस्थान में खर्च करेंगी, तो उनको इन्सेंटिव या टैक्स में छूट मिलेगी।

जाने-माने कारोबारी नौशाद फोर्ब्स ने अपनी किताब द स्ट्रगल ऐंड द प्रॉमिस में लिखा है कि हम शोध-अनुसंधान पर जितना खर्च करते हैं, उसका 80 से 90 फीसदी हिस्सा देश के 47 सरकारी प्रयोगशालाओं को चला जाता है। हम इस पैसे को सालाना पांच फीसदी की दर से यदि कम करते जाएं और ये पैसे सरकारी शिक्षण संस्थानों को मुहैया कराएं, तो वहां शिक्षा और शोध-कार्य, दोनों सुधर जाएंगे, उनकी रैंकिंग में बेहतर हो जाएगी। इसी तरह, एक सुझाव यह भी हो सकता है कि जो संस्थान अपनी वैश्विक रैंकिंग सुधारते हैं, उनको इन्सेंटिव दिए जाएं। इस इन्सेंटिव का इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों की बेहतरी पर किया जा सकता है, क्योंकि राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों के करीब 99 फीसदी अध्यापकों के पास आज भी लैपटॉप जैसे आधुनिक उपकरण नहीं हैं। अगर हम अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों से मुकाबला करना चाहते हैं, तो हमें अपने शिक्षकों-कर्मचारियों की गुणवत्ता सुधारनी ही होगी।

यहां हम चाहें, तो चीन से भी सबक ले सकते हैं। उसने पिछले कुछ दशकों में अपने उन नागरिकों को वापस बुलाया है, जो पढ़ने के लिए विदेश गए और वहीं के होकर रह गए। अध्यापन कर्म में लगे ऐसे चीनी नागरिकों को स्वदेश में वे तमाम सुविधाएं दी गईं, जो उन्हें विदेश में मिल रही थीं। इसका फायदा चीन की शिक्षा-व्यवस्था में दिखा है। हमारे देश में भी आईआईटी, आईआईएम या कुछ केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश जाते हैं और वहीं कॉलेजों में अपना भविष्य देखते हैं। उनको स्वदेश बुलाना चाहिए और उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, मुश्किल यह भी है कि देश के कई संस्थानों में भाई-भतीजावाद इस कदर हावी है कि वहां कुलपति तक की नियुक्ति शायद ही प्रतिभा के आधार पर होती है। हमें ऐसे संस्थानों को भी चिह्नित करके वहां पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी, तभी वे अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ कदमताल कर सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत को और बेहतर बनाने के लिए चंद जरूरी कदम

धनेंद्र कुमार, पूर्व अध्यक्ष,
भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

तमाम सेवाओं में सुधार करना होगा। बुनियादी ढांचे को और बेहतर करना होगा। महंगाई पर नियंत्रण के ज्यादा बेहतर उपाय करने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत कर रहे हैं। आइए, इसे मोदी 3.0 कहें। एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी नीतियों की आशा इस बार बहुत अधिक है। कन्याकुमारी में अपने 45 घंटे के ध्यान के बाद देश के नाम नरेंद्र मोदी का पत्र भी यही बताता है कि मोदी 3.0 की योजनाओं को जमीन पर उतारेंगे। ऐसे में, हम भावी सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं :

मेक इन इंडिया 2.0 के साथ विनिर्माण को मजबूत करने पर फोकस रहेगा। उनके फोकस में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स व बड़े डाटा जैसी उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और दवा जैसे क्षेत्रों के लिए हम विशेष उत्पादक समूहों के विकास की भी आशा कर सकते हैं, ताकि निवेश को आकर्षित करने के लिए कर में छूट, सब्सिडी और सुविधाओं के अलावा दक्षता बढ़ाने और विशेष कौशल विकसित करने में मदद मिल सके और उत्पादन से जुड़े आर्थिक प्रोत्साहन का विस्तार हो सके। नई नौकरियों के अवसर पैदा करने की प्रतिबद्धता के साथ उद्योगों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं भी आ सकती हैं।

ज्यादा राजमार्ग, ज्यादा हवाई अड्डे, बंदरगाह और लॉजिस्टिक पार्क बनाकर बुनियादी ढांचे के विकास, गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर होगा। स्मार्ट सिटी मिशन को ज्यादा शहरी क्षेत्रों तक फैलाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और अन्य दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए हाई-स्पीड रेल और राजमार्ग लिंक बनाए जाएंगे। विमान, हथियार और अन्य सैन्य उपकरणों के स्थानीय उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करके मजबूत रक्षा तैयारी सरकार के एजेंडे में होगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के आधुनिकीकरण से वित्तीय क्षेत्र में सुधार शुरू किए जा सकते हैं। ऋण और राज्य प्रोत्साहन तक पहुंच को आसान बनाकर सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देना जरूरी है। साथ ही, उद्योग लगाने के नियमों व प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा, ताकि उद्योगों का विस्तार देश के पिछड़े राज्यों में भी हो सके।

आर्थिक विविधीकरण जरूरी है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को बल मिलेगा। अक्षय ऊर्जा, पर्यटन और सेवाओं में सुधार प्राथमिकता में रहेगा। इस बार कर ढांचे को सरल बनाने की उम्मीद की जा सकती है। निवेश आकर्षित करने के लिए कॉरपोरेट कर में और कटौती की जा सकती है। व्यापार समझौतों और कूटनीति के माध्यम से निर्यात को बढ़ावा दिया जा सकता है। अन्य देशों के साथ नए सौदों से नए बाजार खोलने में मदद मिलेगी, जिससे यूरोपीय संघ, आसियान और अफ्रीकी देशों में भारत का व्यापार बढ़ेगा। भारतीय उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बनाने के मकसद से शुल्क, सब्सिडी और अन्य उपायों पर ज्यादा काम करना होगा। निर्यात बढ़ने से उत्पादन को भी बल मिलेगा और उत्पादन दक्षता बढ़ेगी।

महंगाई पर नियंत्रण के बेहतर उपाय करने होंगे। कृषि सुधारों, प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग व आपूर्ति शृंखला में सुधार से लोगों को राहत देने की कोशिश होगी। विशेष रूप से फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए भारत की कोल्ड स्टोरेज क्षमता को बढ़ाना होगा। एक मजबूत राष्ट्रीय कृषि बाजार किसानों को बेहतर मूल्य दिला सकता है।

ऊर्जा दक्षता और लागत में कमी के लिए ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र फोकस में रहेंगे। डिजिटल इंडिया 2.0 और अधिक क्षेत्रों में फैलेगा और बेहतर दक्षता व पारदर्शिता को बढ़ाएगा। हर गांव तक ब्रॉडबैंड पहुंच जाएगा। अंतरिक्ष उद्योग के क्षेत्र में भी भारत के आकर्षक वैश्विक बाजार बनने की उम्मीद की जा सकती है।

एक हालिया भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हजार साल की अवधि में भारत के लिए अपने दृष्टिकोण के बारे में कहा है कि 'यदि आप बड़ा हासिल करना चाहते हैं, तो बड़ा सोचिए।' हम उम्मीद कर सकते हैं कि उनका नेतृत्व 2047 तक एक मजबूत और विकसित देश के लिए ठोस नींव रखने का काम करेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कैंसर के दायरे में युवा, जीवन शैली को लेकर लापरवाही बड़ी वजह

विडंबना है कि कुछ दशक पहले तक कैंसर के मामले इक्का-दुक्का सुनने में आते थे, आज अक्सर लोगों को अपने संपर्क के ही किसी व्यक्ति के कैंसर से पीड़ित होने या उसकी मौत की खबर सुननी पड़ती है। देश में कैंसर को लेकर जैसी जागरूकता होनी चाहिए, वह भी संतोषजनक नहीं है। इसका इलाज अब भी सामान्य आयवर्ग की क्षमता से बाहर है। यह गंभीर चिंता की बात है कि देश के युवाओं की एक बड़ी संख्या कैंसर जैसे रोग की चपेट में आ रही है। यह स्थिति तब है जब पिछले कुछ दशक के दौरान आय के स्तर से लेकर खानपान और रहन-सहन आदि के मामले में ज्यादातर लोगों के बीच गुणात्मक सुधार देखा गया है। मगर इसके समांतर यह भी सच है कि इसी बीच सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ एक बड़ी आबादी खाने-पीने की चीजों और जीवनशैली को लेकर लापरवाह भी हुई है।

इसका नतीजा यह है कि सामान्य से लेकर कुछ जटिल बीमारियां भी चुपके से लोगों के बीच अपने पांव फैला रही हैं। कैंसर भी उन्हीं घातक रोगों में से एक है। हाल में आई एक रपट में बताया गया है कि कैंसर रोगियों में से बीस फीसद की उम्र चालीस वर्ष से कम थी। इससे पता चलता है कि देश की युवा आबादी के बीच कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। कहा जा सकता है कि इस तरह के अध्ययन से कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने और देश को कैंसर मुक्त बनाने में सहायता मिल सकती है। मगर इससे यह भी साफ है कि कई वजहों से युवा इस रोग की जद में आ रहे हैं। फिलहाल इसकी चपेट में आए युवाओं में सिर और गर्दन के कैंसर के लक्षण पाए जा रहे हैं, मगर इस रोग की जैसी प्रकृति रही है, उसे देखते हुए इसके विस्तार से उपजे खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस बीमारी के इलाज के मामले में अब तक जो सीमित उपाय हैं, उसमें इसे जीवनशैली में सुधार, टीकाकरण और समय पर जांच से रोका जा सकता है, मगर अफसोस की बात है कि ज्यादातर मामलों में चूंकि लोगों को पता नहीं चल पाता और इसी वजह से जांच में देरी होती है, इसलिए इसके शरीर में जानलेवा स्तर तक फैलने का खतरा पैदा हो जाता है। विडंबना है कि कुछ दशक पहले तक कैंसर के मामले इक्का-दुक्का सुनने में आते थे, आज अक्सर लोगों को अपने संपर्क के ही किसी व्यक्ति के कैंसर से पीड़ित होने या उसकी मौत की खबर सुननी पड़ती है।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

गठबंधन बनाम क्षेत्रीय दलों की राजनीति में उभार

प्रमोद भार्गव

जिस तरह से षक्ति और सत्ता राजनीति के आधारभूत सिद्धांत माने जाते हैं,उसी तरह राजनीति से यह मान्यता भी जुड़ी है कि राजनीति में वही आगे बढ़ते हैं,जो अवसर का लाभ उठाकर उसे भुनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित षाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं। बीते सालों में महाराश्ट्र और हरियाणा में भाजपा-षिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया। भाजपा स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें पीछें रह गई। हालांकि उसके नेतृत्व वाले राजग गठबंधन के पास 291 सीटें हैं। अतएव राजग बहुमत में है। लेकिन भाजपा खुद 272 सीटें लाई होती तो उसकी पूर्व की तरह ठसक बनी रहेती। बावजूद नरेंद्र मोदी नेहरू के बाद ऐसे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें मतदाता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने रहने का जनादेश दिया है।

यह करिष्मा 62 साल बाद हुआ है। लेकिन अब पेंडुलम की तरह लटकी भाजपा को 16 सीटें जीतने वाले चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और 16 सीटें जीतने वाली नीतीष कुमार की जदयू से पूरे पांच साल वैसाखियों का सहारा लेना पड़ेगा। ये दोनों दल किंगमेकर की भूमिका में आ गए है। इन और अन्य सहयोगी दलों के साथ भाजपा तीसरी बार केंद्र में सत्तारूढ़ होने जा रही है।

षक्ति अर्थ की हो या राजनीतिक सत्ता की, जब वह उम्मीद से ज्यादा हाथ लग जाती है तो महत्वाकांक्षाएं बेलगाम होने लगती हैं। लिहाजा 2014 और 2019 की अप्रत्याषित जीत के बाद भाजपा की जहां महत्वाकांक्षा बढ़ी, वहीं आत्मविष्वास प्रबल हुआ। नतीजतन नरेंद्र-अमित की युगल जोड़ी ने भाजपा को गठबंधन से मुक्ति के पंखों पर सवार कर दिया था। भाजपा चाहने लगी थी कि यदि राजनीतिक पहुंच वाले राज्य में उसकी अकेले दल के रूप में पकड़ मजबूत होगी तो वह कालांतर में गठबंधन की लाचारी से मुक्त होती चली जाएगी।

इसी धारणा के चलते उसने अपने सबसे पुराने सहयोगी षिवसेना और अकाली दल से नाता तोड़ लिया था। दरअसल भाजपा की जो राजनीति, संस्कृति और कार्यषैली है,कमोवेष वही षिवसेना की है। दोनों उग्र हिंदुत्व और राश्ट्रीय सांस्कृतिक एकात्मवाद के अनुयायी हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन में सहयोगी रहे जिस राज्य में भाजपा को सबसे बड़ा झटका लगा है, उसमें महाराश्ट्र प्रमुख है। 2014 और 2019 में महाराश्ट्र की 48 सीटों में से भाजपा-षिवसेना को 41 सीटें मिली थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में स्पश्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों में बिगड़ गई। इसी के साथ राज्य की राजनीति में बदलाव आ गया।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिकर सरकार बनाई तो भाजपा ने षिवसेना में विभाजन कर सरकार गिरा दी और एकनाथ षिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया। यही नहीं एकनाथ षिंदे की ही षिवसेना को असली होने का दर्जा मिल गया। साथ ही षरद पवार की एनसीपी के भी दो टुकड़े कर दिए। भतीजे अजीत पवार ने चाचा की पार्टी छीन ली। हालांकि यह कदम उल्टा पड़ा।

उद्धव और षरद पवार ने मराठी अस्मिता को मुद्दा बनाया और मतदाता की सहानुभूती बटोरने में सफल रहे। अब यहां सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतकर कांग्रेस बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। षिवसेना-उद्धव को 9, एनसीपी-षरद को 7 सीटें मिली हैं। भाजपा को दस सीटों पर संतोश करना पड़ा है।

चूंकि इस चुनाव में अजीत पवार को मात्र एक सीट मिली है। इससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव के इन नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर भी दिखाई दे सकता है ? अतएव महाराश्ट्र में अब कांग्रेस, एनसीपी-षरद और षिवसेना उद्धव के एक साथ आने से महाविकास अघाड़ी की ताकत बढ़ गई है, जो भाजपा को महंगी पड़ सकती है।

आंध्र प्रदेष में भाजपा के सहयोगी तेलगु देषम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है। आंध्र प्रदेष में हुए विधानसभा चुनाव में भी नायडू को सरकार बनाने के लिए स्पश्ट बहुमत मिल गया है। नायडू ने कह भी दिया है कि आंध्रप्रदेष की जनता ने राजग के साथ हमारे गठबंधन पर भरोसा करके हमें बड़ी जीत दिलाई है।

हम राजग के साथ है। साफहै, नायडू केंद्र सरकार में अपने सांसदों को मंत्री बनाकर भाजपा को ताकत देते रहेंगे। इधर बिहार में राजग गठबंधन ने बड़ी संख्या में सीटें हासिल करके लालू और तेजस्वी यादव को आईना दिखा दिया है। यहां चालीस सीटों में से 12 जदयू, 12 भाजपा, और पांच लोजपा ने जीती हैं।

अतएव कहा जा सकता है कि चुनाव से पहले नीतीष कुमार के जदयू को साथ लाकर बड़े नुकसान से बच गई। बिहार के इन परिणामों से गठबंधन की महिमा को स्थापित किया है। जदयू नेता केसी त्यागी का कहना है कि चुनाव पूर्व राजग से गठबंधन को लेकर हमारी जो प्रतिबद्धताएं हैं, वे बनी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश और नायडू को अच्छी जीत के लिए बधाई दे दी है।

दस साल बाद इस चुनाव में एक बार फिर क्षेत्रीय मुद्दों और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव दिखाई दिया है। क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत स्थानीय मुद्दे और जातीयता होती है। देश के सबसे ज्यादा संसदीय 80 सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में मायावती, मुलायम सिंह और अखिलेश यादव को जब भी सत्ता का सुख मिला है, उसमें यही राजनीति के गुण शामिल रहे हैं। यही सब दक्षिण भारत के राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों का दबदबा देखने में आया। तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर राज्य की सभी 39 सीटों पर जीत दर्ज करा ली है। आप के साथ मिलकर कांग्रेस ने पंजाब में सभी 10 सीटें इंडिया गठबंधन के खाते में डलवा दी।

पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय नेता ममता बनर्जी ने अपने जादू को बनाए रखा है। तृणमूल ने महिला और मुस्लिम मतदाताओं को साधकर 30 सीटों पर सफलता प्राप्त की। जबकि उसकी 2019 में 22 सीटें थीं। भाजपा को यहां 2019 में जीतीं 18 सीटों की तुलना में 2024 में 11 सीटों पर ही संतोश करना पड़ा है।

ममता ने बंगाल में इंडिया के साथ कोई गठबंधन भी नहीं किया था। वे अकेली चलीं और उन्होंने भाजपा के सीएए एवं संदेषखाली के मुद्दों को नाकाम कर दिया। तय है, ममता आगे भी क्षेत्रीय क्षत्रप बनी रहेंगी। वे अब सीएए और एनआरसी का भी संसद में अपने सांसदों से मुखर विरोध कराएंगी। भाजपा के चर्चित चेहरे सुरेष गोपी ने केरल में जीत दर्ज कराकर एक बड़ी कामयाबी दर्ज की है।

भाजपा स्पष्ट बहुमत में जरूर नहीं है, लेकिन उसने अपनी पार्टी का विस्तार करते हुए ओडिषा में जबरदस्त दस्तक दी है। नवीन पटनायक के 24 साल से चले आ रहे राज को खत्म करके भाजपा ने जता दिया है कि वे पार्टी के देशव्यापी विस्तार के लिए संघर्ष करती रहेंगी।

ओडिशा में भाजपा को दोहरी खुशी मिली है। यहां उसने लोकसभा की 21 सीटों में से 19 सीटें जीतकर अप्रत्याशित ढंग से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा दी है। दूसरी तरफभाजपा को यहां हुए विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट बहुमत मिल गया है। विधानसभा की कुल 147 सीटों में से भाजपा ने 78 सीटों पर विजय हासिल की है।

नवीन पटनायक के बीजू जनता दल को 51 सीटों पर संतोश करना पड़ा है। भाजपा की इस बड़ी जीत में यहां की मूल निवासी द्रोपदी मुर्मु को राश्ट्रपति बनाया जाना भी रहा है। नवीन पटनायक उम्रदराज होते जा रहे हैं और उन्होंने अपने दल के किसी नेता को अपने समकक्ष नहीं बनाने की बड़ी भूल की है। अतएव आगे यह पार्टी कितना चल पाएगी, कहना मुश्किल है।

क्षेत्रीय क्षत्रपों में सबसे बड़ी ताकत के रूप में अखिलेष यादव की समाजवादी पार्टी आई है। उसने 80 सीटों में से 37 सीटें जीतकर अपनी मजबूत आमद लोकसभा में दर्ज करा दी है। यहां से अब बसपा के सूपड़ा साफहोने का लाभ सपा को मिला है। राम मंदिर निर्माण के बावजूद भाजपा के लिए यहां से मिलीं अप्रत्याषित पराजय ने यह तय कर दिया है कि भारत में क्षेत्रीयता और जातीयता अभी भी चुनाव में ईष्वर से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। हालांकि भाजपा ने यहां से 33 और उसके सहयोगी दलों ने छह सीटें जीती हैं। भाजपा को यहां नुकसान मुस्लिम बहुल प्रदेष होने के कारण भी उठाना पड़ा है। जबकि समाजवादी पार्टी ने गिनती के चार मुस्लिम मैदान में उतारे थे, जिनमें से तीन ने जीत हासिल की है। सपा की इतनी बड़ी जीत का कारण मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट नहीं देना भी रहा है। क्योंकि यदि मुस्लिमों को टिकट दिए होते तो उनका जीतना हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के चलते मुष्किल था। बहरहाल क्षेत्रीय क्षत्रपों ने रणनीतिक रूप से एक होकर जता दिया है कि क्षेत्रीयता और जातियता की राजनीति से भारत अभी मुक्त नहीं होने जा रहा है। राहुल गांधी इसे संविधान बदलने और अनुसूचित जातियों व जनजातियों को आरक्षण से बाहर करने की धार देकर भाजपा नेतृत्व वाले राजग गठबंधन की इकतरफा जीत में दीवार बनकर खड़े हो गए। गोया, अब भाजपा एक देष एक चुनाव, जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता जैसे कानून नहीं बना पाई।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मॉडल ब्लड बैंक के शिविर में 34 यूनिट रक्तदान

रायपुर (ए.)। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मॉडल ब्लड बैंक सेंटर एवं राम जानकी मंदिर, बावनकेरा के सहयोग से जरूरतमंद मरीजों के लिए सरस्वती शिशु मंदिर बावनकेर, झलप, महासमुंद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 34 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।
राम जानकी मंदिर, बावनकेरा की तरफसे कैंप का कार्यभार धनेश सिन्हा ने और मॉडल ब्लड (बैंक) सेंटर की तरफसे डॉ. अविरल मिश्रा की निगरानी में संपन्न हुआ। रक्तदान शिविर की टीम में डॉ. खालिदा, डॉ. अंकित, नूरानी खान, झूल सिंह, भूमिका यादव, शोभाराम साहू, राकेश बंजारे, राकेश शर्मा, पैरामेडिकल स्टाफसे मुकेश, सती और भावना शामिल थे। सभी के विशेष सहयोग से यह रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।

सीएम साय ने 2 विधायकों को रोगी पशु कल्याण समिति का सदस्य मनोनीत किया

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू एवं प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी को राज्य स्तरीय पशु चिकित्सालय रायपुर के रोगी पशु कल्याण समिति का सदस्य मनोनीत किया है। यह समिति पशुधन के हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्य करती है। जिसका उद्देश्य पशुधन को उसका सर्वश्रेष्ठ जीवन जीने का हक प्रदान करना है।

ब्रह्माकुमारी राधिका का व्याख्यान आज

रायपुर (ए.)। मोटिवेशनल स्पीकर ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी का व्याख्यान छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर

कंपनीज के मुख्यालय डंगनिया में 7 जून को शाम 4 से 5.30 बजे तक होगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, विश्व शान्ति भवन चौबे कॉलोनी के तत्वावधान में इसका आयोजन पॉवर कंपनी के सेवा भवन स्थित सभा कक्ष में किया गया है। इसमें शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के संतुलन से संपूर्ण स्वास्थ्य का विकास के संबंध में सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूट आफ इलेक्टिव लिविंग पर व्याख्यान होगा। हैदराबाद की मोटिवेशन स्पीकर ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी एक वरिष्ठ एवं अनुभवी राजयोग शिक्षिका हैं। इन्होने मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की हैं एवं पिछले 26 वर्षों से हैदराबाद बंजारा हिल्स सेवाकेन्द्र में अपनी सेवाये दे रही हैं। इन्होने कई प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं, जिसमें संघर्ष समाधान, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, जीवन शैली प्रबंधन आदि आदि शामिल हैं। इन्होने अब तक जी.न्यूज, अपोलो हॉस्पिटल, भारत पेट्रोलियम, एल. एण्ड टी, पारले प्रोडक्ट, रिलायंस इण्डस्ट्रीज, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, मिलिट्री हेडक्वॉर्टर ऑफवॉर भारतीय नौसेना, हीरो मोटो कॉर्प, मारुति सुजुकी आदि-आदि अनेक प्रतिष्ठानों में व्याख्यान दिये हैं।

सभी स्कूल व शासकीय कार्यालय को तंबाकू मुक्त क्षेत्र करें-कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (ए.)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सारंगढ़ के सभा कक्ष में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत अंतर्विभागीय जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित किया गया। सभी विभाग के जिला प्रमुख अधिकारियों के मध्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अवधेश पाणिग्राही ने तंबाकू एवं अन्य तंबाकू उत्पाद के सेवन से होने वाली हानि एवं इससे सुरक्षा का एकमात्र उपाय समाज को तंबाकू मुक्त रखना बताया ।

डॉ इंदु सोनवानी जिला नोडल अधिकारी (तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम) ने समन्वय समिति की बैठक में कोटपा एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत तंबाकू एवं इसके अन्य उत्पाद के क्रय-विक्रय, 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों को क्रय-विक्रय में सम्मिलित करने, सार्वजनिक स्थलों पर बिक्री, विज्ञापन प्रदर्शित करने एवं सेवन करने तथा तय सीमा से अधिक भंडारण करने इत्यादि पर की जाने वाली कानूनी कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर धर्मेश कुमार ने जिला एवं विकासखंड स्तर पर गठित प्रवर्तन दल के माध्यम से नियमित रूप से छापामार कार्रवाई करने, जिले के कार्यालय एवं स्कूलों, ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र को तंबाकू मुक्त बनाने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला के पुलिस अधीक्षक पुष्पक शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सारंगढ़ वासु जैन सहित जिला प्रशासन के सभी प्रमुख अधिकारी एवं सभी

विभाग के जिला प्रमुख उपस्थित थे।

कोटपा एक्ट का पालन कर, दंड से बच सकते हैं विक्रेता और व्यवसायी

सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम कोटपा एक्ट 2003 के तहत सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करना, तम्बाकू के क्रय-विक्रय व सेवन के साथ 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू क्रय-विक्रय एवं सेवन करना वर्जित है। तम्बाकू उत्पाद के विक्रेता और होटल व्यवसायियों को कोटपा एक्ट की धारा-5, 6 और 7 का ज्ञान होना नितांत जरूरी है। साथ ही साथ कोटपा एक्ट की पूरी जानकारी होनी चाहिए और पालन करने वाले जुर्माना से बच सकते हैं। पान दुकान और होटल में लाइटर, माचिस, एसट्रे रखना वर्जित है। पान दुकान और होटल के सामने किस प्रकार का नियमत: विज्ञापन होना चाहिए आदि का विधिवत चस्पा करने से जुर्माना से बच सकते हैं।

अधिनियम में सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान के नियम

अधिनियम में सार्वजनिक स्थानों को भी परिभाषित किया है जैसे प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) मुक्त प्रेक्षागृह, स्टेडियम, स्वास्थ्य संस्थान, कार्य स्थल अस्पताल भवन, शैक्षणिक संस्थान, पुस्तकालय, मनोरंजन केंद्र, सिनेमा घर। शापिंग मॉल। रेस्तरां होटल, जलपान कक्ष, काफी हाउस। रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप, हवाई अड्डे, सरकारी कार्यालय, न्यायालय भवन, सार्वजनिक वाहन, डिस्कोकेथ, पब, बार इत्यादि। इस नियम में मालिक, स्वामी, प्रबंधक पर्यवेक्षक को उपरोक्त व्यवस्थाओं का पालन कराना होगा। भवन के प्रवेश द्वार, अगर एक से अधिक मंजिल हो तो हर मंजिल में कही भी माचिस, एक्ट्रे, लाइटर, या अन्य वस्तुओं को प्रदाय नही की जाएगी। उपरोक्त सभी व्यवस्थाओं को देखने की जिम्मेदारी मालिक की होगी। उलंघन करने पर मालिक जुर्माना के हकदार होंगे। मालिक चाहे तो स्मोकिंग जोन नियमानुसार बना सकता है। उसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना होगा।

धूम्रपान रहित क्षेत्र बोर्ड

मालिक को धूम्रपान रहित क्षेत्र की भी बोर्ड लगाना आवश्यक होगी। जिसमे मालिक का नाम और फोन नंबर लिखा रहेगा। बोर्ड की साइज 30 cm × 60 cm की होगी। शैक्षणिक संस्थाओं में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान लिखना होगा। जिसमे लिखा होगा इस शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री एक दंडनीय अपराध है जिसका उलंघन करने पर 200 रुपए की जुर्माना हो सकता है। इसमें भी संस्था प्रभारी के नाम पदनाम मोबाइल नंबर लिखा रहेगा। इन सबका एक ही उद्देश है हमे छात्रों को तंबाकू या इसके अलग अलग उत्पादों से दूर रखना है ।

कोटपा एक्ट का कानून, धारा और सजा

कोटपा एक्ट धारा 4 : सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान निषेध उलंघन करने पर 200 रुपए जुर्माना दंड की भुगतान करने से इंकार करने पर हिरासत में लिया जा सकता है।
धारा 5 : सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद के विज्ञापन का निषेध। उलंघन करने पर प्रथम बार उलंघन करने पर 1000 रुपए या 2 वर्ष की कारावास या दोनो। द्वितीय बार उलंघन करने पर 5000 रुपए या 5 वर्ष की कारावास।
धारा 6: कोई भी व्यक्ति सिगरेट तथा अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री ,बिक्री के लिए प्रस्थापना तथा बिक्री की अनुमति नही देगा। इसके दो भाग है।
धारा 6 a : ऐसे व्यक्ति को या उसके द्वारा जिसकी आयु 18 वर्ष कम हो तथा धारा 6 **a:** ऐसे क्षेत्र में जो किसी शैक्षणिक संस्थान की 100 गज की परिधि में हो उलंघन करने पर 200 रुपए की दंड। इसका पालन नही करने पर हिरासत में लिया जा सकता है।
धारा 7 : सभी तंबाकू उत्पाद की पैकिंग पर सचित्र स्वास्थ्य चेतावनी। पहली बार उलंघन करने पर 5000 रुपए या 2 वर्ष की कारावास। दुहराए जाने पर 10000 रुपए या 5 वर्ष की कारावास के प्रावधान है। ये सब दंड निर्माता के उपर होंगे। ऐसे ही कार्यवाही विक्रेता अथवा वितरक के उपर भी हो सकती है, जिसमे प्रथम बार अपराध करने पर 1000 रुपए या 1 वर्ष के कारावास या दोनो हो सकते है। वही दुहराए जाने पर 3000 अथवा 2 वर्ष की कारावास हो सकता है।

अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ चला बुलडोजर दर्जनभर जमीन मालिकों को नोटिस जारी

रायपुर (ए.)। रायपुर के आउटर इलाके में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। धरसींवा तहसील के अंतर्गत ग्राम मांढर परसुलीडीह टेकारी के बाद गुरुवार को अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से जमीन माफियों में हाय़तौबा मचा हुआ है।

धरसीवां तहसीलदार जयेंद्र सिंह ने बताया कि, रायपुर कलेक्टर के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत चरौदा खसरा नंबर 338/1अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई है। भू माफियाओं द्वारा बाकायदा टुकड़ों में अवैध

प्लाटिंग कर जमीन को बेचा जा रहा था। इस दौरान अवैध प्लाटिंग कर बनाए गए सड़क को जेसीबी से उखाड़ा गया है।

मांढर क्षेत्र के आसपास गांव में पिछले लंबे समय से अवैध प्लाटिंग का खेल चल रहा है, जिस पर लगाम लगाने के लिए राजस्व महकमा द्वारा हल्का पटवारी से प्रतिवेदन मंगवाया जा रहा है। धरसींवा तहसीलदार जयेंद्र सिंह द्वारा दर्जनभर जमीन मालिकों को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया गया था। वहीं एक बड़ी कार्रवाई से भू माफिया भुमिगत हो गए हैं।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

इच्छुक आवेदक 24 जून तक कर सकते हैं आवेदन

कोरबा (ए.)। छत्तीसगढ़ शासन, पर्यटन विभाग द्वारा संचालित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, केटरिंग टेक्नोलाजी एण्ड अप्लाइड न्यूट्रीशन रायपुर मे होटल मैनेजमेंट मे डिप्लोमा कोर्स डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन, डिप्लोमा इन फूड एण्ड बेवरेजेस सर्विसेस तथा डिप्लोमा इन हाउस किपिंग ऑपरेशन्स तथा डिग्री कोर्स बीएससी हॉस्पिटैलिटी एण्ड होटल एडमिनिस्ट्रेशन के लिए कोरबा जिले के 15 मेधावी छात्रों का चयन किया जाना है।

सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवेश हेतु सीटों की संख्या सीमित है, इस के लिए अधिक छात्र होने पर मेरिट के अनुसार छात्रों का चयन किया जाएगा। कोर्स में शामिल होने के लिए इच्छुक आवेदक 24 जून 2024 तक लाईवलीहुड कॉलेज, आईटीआई रामपुर परिसर कोरबा में कार्यालयीन समय मे उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए लाईवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य अरूणेन्द्र मिश्रा मोबाइल नंबर 9589583878 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले 2 मृतकों के परिजनों के लिए स्वीकृत की गई सहायता राशि

आरबीसी 6-4 के तहत कुल 08 लाख रुपए की राशि हुई स्वीकृत

कोरबा (ए.)। जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले 02 मृतकों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपए की क्षतिपूर्ति सहायता राशि स्वीकृत की है। संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों के प्रतिवेदन पश्चात राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मृतकों के परिजनों को क्षतिपूर्ति के रूप में 02 प्रकरणों में कुल 08 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है।

उक्त प्रकरणों में कटघोरा के स्याहीमुड़ी निवासी कोमल मझवार की आकाशीय बिजली (गाज) गिरने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतक की पत्नी जानकी मझवार को 04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार कोरबा के पाढ़ीमार, बालकोनगर निवासी शिवप्रसाद रोहिदास के तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। उक्त प्रकरण में मृतक की पत्नी सुख बाई को 04 लाख रूपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई है।

जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करें : कलेक्टर

रायपुर (ए.)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने गुरुवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। इसके अंतर्गत सभी योजनाओं के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि अधूरे कार्यों को पूरा किया जाए। कार्यों में गति लाई जाए। साथ ही गांवों के सड़कों का मरम्मत कार्य जल्द पूरा किया जाए। टंकी से पाइपलाइन द्वारा पानी पहुंचाने का कार्य भी पूरा किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के

तहत किए गए कार्यों में किसी भी तरह की ढ़िलाई नहीं बरती जाए। इस समीक्षा बैठक में कार्यपालन अभियंता फिलिप एक्का सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जनकल्याणकारी कार्यों में सुशासन लाने पर हुआ विचार-विमर्श

छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट 2047 तैयार करने बैठक आयोजित

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट 2047 को लेकर राज्य नीति आयोग में बैठकों और विचार-विमर्श का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में सुशासन और पारदर्शिता को लेकर हुई बैठक में सुशासन पर गठित वर्किंग समूह के सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सुशासन पर गठित वर्किंग समूह की इस पहली बैठक में रोजगार, जनभागीदारी, पारदर्शिता और टेक्नालॉजी को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस बैठक में राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेन्द्र तिवारी तथा मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत मौजूद थे।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम ने राज्य नीति आयोग द्वारा अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन @2047 डॉक्यूमेंट तैयार करने हेतु गठित कार्य समूहों से शीघ्र जरूरी जानकारी समय सीमा में प्रस्तुत करने कहा। सुशासन और अभिशरण विभाग के सचिव और मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर विकसित छत्तीसगढ़ और सुशासन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने देश के जाने-माने विशेषज्ञों के साथ बौद्धिक विचार-विमर्श किया। आईआईएम रायपुर में हुए इस बौद्धिक विचार-विमर्श में मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद के सदस्यों और विशेषज्ञों ने अपने विचारों को साझा किया। इस चर्चा में गुड गवर्नेंस की महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

नीति आयोग में आयोजित बैठक में सुशासन के लिए निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों, प्रमुख चुनौतियों तथा विभागीय विजन संबंधी प्रस्तुतिकरण दिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेन्द्र तिवारी ने भी विजन डाक्यूमेंट के संबंध में सुशासन के लिए महत्वपूर्ण तथ्य रखे। विधि विभाग के सचिव रजनीश श्रीवास्तव ने छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के संबंध में सुशासन के लिए काननू व्यवस्था, विधि-विधायी संबंधी महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अन्बलगन पी. ने विभागीय गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। योजना एवं आर्थिक एवं सांख्यिकीय विभाग के सचिव अंकित आनंद ने भी छत्तीसगढ़ विजन डाक्यूमेंट के लिए विभाग के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को प्रस्तुत किया। इसी तरह से नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों ने विजन डाक्यूमेंट के संबंध में विभागीय जानकारी प्रस्तुत की। वर्किंग ग्रुप की बैठक में नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गौरडिया, नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विधि विधायी कार्य विभाग, चिप्स के अधिकारी, राज्य नीति आयोग के सलाहकार संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित नीति आयोग के अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में जिलों के कलेक्टर और एनजीओ के प्रतिनिधि वर्चुअल रूप से शामिल हुए। सदस्यों के बीच सुशासन के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

वट सावित्री पर महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

रायपुर (ए.)। पौराणिक मान्यता के अनुसार गुरुवार को वट सावित्री पूजा को लेकर महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा की। तपती धूप से बचने के लिए सुबह से ही पति की लंबी आयु को लेकर महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करने के लिए घर से निकल पड़ी थी। शहर तथा मंदिरों में आज महिलाओं की खासी भीड़ सुबह से ही लगी थी। पति के दीर्घायु होने की कामना लेकर महिलाएं निर्जला उपवास कर वट वृक्ष की श्रृंगारमय पूजा करते हुए शहर के अलग-अलग इलाकों में दिखाई दे रही थी। इसी के साथ वट वृक्षों का फेरा लगाते मनोकामना रूपी धागा वट वृक्ष को बांधा, साथ ही वट सावित्री की कथा श्रवण एवं पठन किया।

शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आज से आओ खोलें खुशियों के द्वार-राजयोग अनुभूति शिविर

रायपुर (ए.)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर रायपुर में 7 से 9 जून तक आओ खोलें खुशियों के द्वार-राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया है। यह शिविर रोजाना दो सत्रों में सुबह और शाम को 7 से 8.30 बजे होगा जिसमें सुविधानुसार किसी भी एक सत्र में भाग लिया जा सकता है। प्रवेश नि:शुल्क है। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में भाग लेने वालों के लिए शिविर स्थल पर भी पंजीयन की व्यवस्था की गई है। हैदराबाद की वरिष्ठ एवं अनुभवी राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी के सान्निध्य में आयोजित इस शिविर मे आत्मानुभूति, परमात्मानुभूति, कर्मों की गहन गति, भारत के उत्थान और पतन की कहानी, राजयोग अनुभूति और समय की पहचान आदि विषयों पर एक-एक घण्टे का व्याख्यान होगा।

हर महीने के 5 तारीख को विधायक करेंगे जनसमस्याओं का निराकरण

रायपुर (ए.)। रायपुर जिला कार्यालय एकात्म परिसर में विधायक पुरन्दर मिश्रा हर महीने के 5 तारीख को 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनदर्शन लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण करेंगे जिसका प्रारंभ 5 जून को हो गया। उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए विधायक मिश्रा ने आप लोगों ने मुझ पर जो विश्वास किया है, उस विश्वास पर खरा उतरना ही मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी।

स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने कलेक्टरों को जारी किए निर्देश

अब सरकारी स्कूलों में भी पैरेंट्स मीट, राज्य सरकार ने जारी किए आदेश

रायपुर (ए.)। प्राइवेट स्कूलों की तरह अब सरकारी स्कूलों में भी पैरेंट्स मीट आयोजित होगा। विष्णुदेव सरकार ने सरकारी स्कूलों में पैरेंट्स मीट आयोजित करने का आदेश जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने इस संदर्भ में कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं।

आपको बता दें कि गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के सरकारी स्कूलों में पैरेंट्स मीट होते हैं। छत्तीसगढ़ इस तरह का इनोवेशन करने वाला देश का चौथा राज्य होगा। प्रायवेट स्कूलों में साल में लगभग एक बार पैरेंट्स मीट होते हैं, सरकारी स्कूलों में तीन बार होंगे। हालांकि, इससे पहले कई बार पैरेंट्स

मीट करने पर विचार हुआ। पिछली सरकार में स्कूल शिक्षा विभाग ने भी सरकारी स्कूलों में पैरेंट्स मीट शुरू करने का प्रयास किया था। मगर इसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया। मगर विष्णुदेव सरकार ने अब इसका आदेश जारी कर दिया है।

बता दें, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों में इस पर अच्छा काम हो रहा है। वहां नियमित पैरेंट्स मीट का आयोजन किया जाता है। छत्तीगसढ़ में इसके लिए शेड्यूल तय कर दिया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सिकरेट्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने कलेक्टरों को पत्र लिख पहली पैरेंट्स मीट का तारीख भी तय कर दी है। पहली मीट 9 अगस्त को होगी। परदेशी ने कलेक्टरों को कहा है कि पैरेंट्स मीट में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने पैरेंट्स मीट करने के फायदे भी गिनाए हैं। मसलन, बच्चों के शरीरिक, मानसिक विकास के लिए पालकों और स्कूलों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। बच्चों के संपूण गतिविधियों से पालकों को अवगत कराने से उन्हें बेहतर मार्गदर्शन और प्रेरणा मिल सकती है। शिक्षकों और पालकों के संपूर्ण प्रयास से बच्चां की पढ़ाई के प्रति साकारात्मक वातावरण बनेगा। बच्चों की काउंसलिंग से उन्हें परीक्षा का तनाव नहीं रहेगा और स्कूलों से ड्रॉप आउट याने पढ़ाई छोड़ देने से रोकने में पालकों की भूमिका सुनिश्चत करना।

गर्मी और ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान, हो रहे बीमार

रायपुर (ए.)। गर्मी के मौसम में ट्रेन से यात्रा करना यात्रियों के लिए महंगा होता जा रहा है, क्योंकि लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनें पांच से दस घंटे की देरी से आ और प्रस्थान कर रही हैं।

आजाद हिंद एक्सप्रेस अधिकतम 20 से 25 घंटे की देरी से आ और जा रही है। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। जिसके कारण सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्री गर्मी से बीमार हो रहे हैं। स्टेशन पर हर दिन कोई न कोई यात्री बीमार हो रहा है। स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में काफी भीड़ है। हालात ऐसे हैं कि प्लेटफॉर्म पर खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है।

गर्मी की छुट्टियों के चलते सभी एक्सप्रेस ट्रेनें खचाखच भरी चल रही हैं। देर होने के कारण लोगों को दोपहर से देर रात तक वेटिंग हॉल या प्लेटफार्म पर सोना पड़ता है। परिवार के साथ आए लोगों में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। रेलवे पिछले कई महीनों से ट्रेनों को समय पर नहीं चला पा रहा है। यात्रियों को स्टेशन पर चार से 13 घंटे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। शनिवार को भी यही स्थिति थी। हावड़ा, मुंबई, पुणे और दिल्ली से आने वाली ट्रेनें घंटों देरी से रेलवे स्टेशन पहुंचीं। एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों में आक्रोश बढ़ रहा है। भीषण गर्मी में भी इस बात को लेकर अधिक आक्रोश है कि रेल व्यवस्था बेपटरी हो गयी है। स्टेशन पर गर्मी से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके बाद भी रेल प्रबंधन

समस्या को दूर करने के बजाय बढ़ा रहा है।

ट्रेनों के परिचालन की स्थिति से साफ है कि यात्रियों को कोई राहत नहीं मिलेगी। यात्रियों का कहना है कि भीषण गर्मी में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं स्टेशन पहुंचकर ट्रेन का इंतजार करना भारी पड़ रहा है। आठ से 10 घंटे का सफर 15 से 20 घंटे में पूरा होने से हजारों यात्री परेशान हैं। सुबह की ट्रेनें शाम तक रायपुर स्टेशन पहुंच रही हैं।

रात प्लेटफार्म पर ही गुजरती है

गर्मी की छुट्टियों के कारण लगभग सभी एक्सप्रेस ट्रेनें फुल चल रही हैं। ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण लोगों को दोपहर की गर्मी स्टेशन पर गुजारनी पड़ती है तो रात में प्लेटफार्म पर सोना पड़ता है।

अधिकांश यात्री इस बात से परेशान हैं कि ब्लॉक हो या न हो, ट्रेनें निर्धारित समय पर नहीं चलतीं, ट्रेनों की गति एक समान रहती है। हावड़ा-मुंबई और कटनी, बिलासपुर, रायपुर रेलवे लाइन पर ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, यह सिलसिला कोई एक दिन का नहीं, बल्कि पिछले कई महीनों से चल रहा है। रेलवे अधिकारियों का तर्क है कि रेलवे के हर सेक्शन में इंफ्रास्ट्रक्चर का काम चल रहा है। इसके चलते आने वाले दिनों में सुविधाजनक बिलासपुर जोन में तीसरी और चौथी रेलवे लाइन तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। डीसीएम राकेश सिंह ने बताया कि जोन स्तर पर विभिन्न खंडों में तीसरी और चौथी रेलवे लाइन पर चल रहे काम के कारण ट्रेनें देरी से चल रही हैं। हालाँकि, इसमें काफी हद तक सुधार हुआ है। आने वाले दिनों में यात्रियों को भी इसका फायदा मिलेगा।

इन ट्रेनों को रोजाना देरी का सामना करना पड़ता है

आजाद हिंद एक्सप्रेस 13 घंटे, हावड़ा-मुंबई दुरंतो नौ घंटे, मेल चार घंटे, रक्सोल समर स्पेशल नौ घंटे, योग नगर से ऋषिकेश जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस चार घंटे देरी से पहुंची। जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस 3.30 घंटे, विशाखापत्तनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस 3.30 घंटे, शालीमार-मुंबई चार घंटे, पुरी उधना स्पेशल 20 घंटे, रौनी गोंदिया एक्सप्रेस सात घंटे और मुंबई हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस लंबी देरी के कारण रद्द कर दी गई है।

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मनाया शांति नाथ भगवान का तप ज्ञान व मोक्ष कल्याणक पर्व

रायपुर (ए.)। टैगोर नगर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को शांति नाथ भगवान के तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अभिषेक और शांति धारा पूजन से हुई, जिसके बाद शांति विधान का आयोजन संपन्न हुआ।

शांति धारा का सौभाग्य मानमल विनीत बड़जात्या और राजकुमार वीर जैन, नमन जैन को प्राप्त हुआ। नितिन पंडित के सानिध्य में श्री शांतिनाथ विधान को सानंद संपन्न किया गया। विशेष रूप से तैयार किए गए निर्वाण लाड्डू, श्रीमती शिल्पी जैन और सीमा दीदी द्वारा शुद्धता पूर्वक घर से बनाकर लाए गए थे। उनके इस प्रयास की मंदिर समिति और उपस्थित भक्तों ने अनुमोदना की।

इस धार्मिक अनुष्ठान के सफल आयोजन के लिए महिला मंडल के प्रयासों की सराहना की गई। महिला मंडल धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है और उनके इस समर्पण के लिए मंदिर समिति ने साधुवाद प्रकट किया। टैगोर नगर मंदिर परिवार के सभी सदस्यों ने इस अवसर पर धर्म लाभ लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

राजधानी में गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा भारी

तीन महीने में 1931 लोग हुए हीट स्ट्रोक का शिकार

रायपुर (ए.)। राजधानी में लू का प्रकोप जारी है। दिन के साथ-साथ रात में भी गर्म हवाएं चल रही है। गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। इससे लोगों की सेहत बिगड़ रही है। अस्पतालों में पेट दर्द, डिहाइड्रेशन, कमजोरी जैसे बीमारियों से पीड़ित मरीज ज्यादा पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के डेढ़ हजार से अधिक लोग गर्म हवा की वजह से बीमार होकर इलाज के लिए अस्पताल तक पहुंचे हैं। सबसे ज्यादा मामले बलौदाबाजार में दर्ज हुए हैं। छह जिले ऐसे हैं, जहां एक भी केस दर्ज नहीं हुए। रायपुर जिले में हीट-स्ट्रोक के केवल तीन मामले दर्ज हुए हैं।

प्रदेश में तीन महीने में 1,931 लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है, अभी गर्म हवाओं से बचना बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मार्च के महीने में मौसम में बदलाव। होने के बाद से गर्मी और बढ़ते तापमान की वजह से होने वाले हीट-स्ट्रोक की रोकथाम के लिए निगरानी की जाती है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मार्च और अप्रैल के महीने में लू की वजह से बीमार होने वालों की संख्या 375 थी, जो मई के समाप्त होने से पहले 193 तक पहुंच गई है। आंकड़ों के अनुसार हीट स्ट्रोक के सबसे ज्यादा मामले बलौदाबाजार जिले में दर्ज किए

गए, वहीं सुकमा, नारायणपुर, कोंडगांव, कबीरधाम, जशपुर, दुर्ग, बस्तर और बलरामपुर जिले से एक भी हीट- स्ट्रोक के केस की इंट्री नहीं की गई है।

रायपुर जिले में लू से संबंधित तीन मामले दर्ज किए गए हैं। चिकित्सक तेज धूप से बचने की सलाह दे रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि लू के मरीज कम आ रहे हैं, लेकिन पेट दर्द, बुखार, सिर दर्द, उल्टी-दस्त, लूजमोशन के मरीज लगातार आ रहे हैं। ज्यादा तापमान में रहने से लगातार शरीर का तापमान बढ़ता है, जिससे जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो रही हैं। तेज गर्मी में ब्लड प्रेशर भी बढ़ रहा है।

गर्मी के कारण लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं, इससे उनको चक्कर आना, जी मिचलाना और सिरदर्द की शिकायत हो रही है।सतर्कता से ही बीमारियों से बचा जा सकता है। जिला अस्पताल, निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरुकता भी बढ़ी है। गर्मी से बचने के लिए लोग पर्याप्त कोशिश भी कर रहे हैं।

घर से पानी पीकर निकलें, हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें

आंबेडकर अस्पताल के मेडिसिन विभाग के डा. आरएल खरे ने कहा कि सतर्कता से ही गर्मी के प्रकोप से बचा जा सकता है। सुबह 11 से शाम चार बजे तक बाहर निकलने से बचें। बहुत जरूरी हो तो तभी निकलें। घर से निकलने के समय पानी जरूर पीएं। कपड़े भी हल्के रंग के ढीले पहने। बाहर के खाने-पीने की वस्तुओं को इग्नोर करें। घर से निकलने के समय अपने साथ पानी लेकर चलें। जगह-जगह प्याऊ खुले हैं, लेकिन वहां का पानी दूषित हो सकता है। घर पहुंचने के बाद तुरंत पानी न पीएं।

4 खिलाड़ियों ने स्वर्ण और 3 ने जीता कांस्य पदक, खेल मंत्री ने दी बधाई

राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ ने लहराया परचम

रायपुर (ए.)। राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस चैम्पियनशिप में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों ने गुरुवार को रायपुर पहुंचकर खेल मंत्री वर्मा से उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की। खेल मंत्री वर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन कर उनका हौसला बढ़ाया।

गौरतलब है कि असम के लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के स्टेडियम तेपेसिया, गुवाहाटी में 25 से 30 मई तक म्यू थाई चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 04 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक एवं 03 खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीता है। म्यूथाई खेल को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक से मान्यता प्राप्त है तथा पेरिस ओलंपिक-2024 में डेमोंसट्रेशन के रुप में शामिल किया गया है। इस राष्ट्रीय

चैपियनशिप में 29 राज्यों के लगभग 850 खिलाड़ी और अधिकारियो ने भाग लिया।

राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों में राजकुमार, दिव्या अग्रवाल, तोषी पांडे और समिधा अग्रवाल का नाम शामिल है। इसी तरह कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों में शुभांश मानिकपुरी, प्रवीण जायसवाल और अर्चित केशवानी शामिल है। इसके अलावा जय कुमार, आर्यन पटेल, भावजोत सिंग ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित विवेकानंद मार्शल आर्ट्स फिटनेस क्लब,देवेंद्र नगर के 10 खिलाड़ियों ने कोच अमन यादव के नेतृत्व में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 4 स्वर्ण पदक और 3 कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन किया।

कवि सम्मान समारोह 9 को

रायपुर (ए.)। कला एवं साहित्य तथा रंगमंच के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' एवं 'लोकरंजनी' लोक कला मंच रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 9 जून को शाम 6 बजे से कवि सम्मान समारोह का आयोजन वृंदावन हॉल सिविल लाइन में किया जाएगा। संस्कार भारती' के डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कवियों में पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, मीर अली 'मीर', रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, डॉ. चितरंजन कर, शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, उर्मिला देवी उर्मी आदि शामिल होंगे।

लापता लेडिज के 'जया-दीपक' को हुआ सच्चा प्यार?

स्पर्श श्रीवास्तव को डेट कर रही हैं प्रतिभा रांटा! एक्टर ने तोड़ी चुप्पी

'लापता लेडीज' स्टार्स ने डेटिंग की खबरों के बीच सच बयां किया है। 'लापता लेडीज' स्टार्स ने डेटिंग की खबरों के बीच सच बयां किया है।

बॉलीवुड स्टार्स की डेटिंग लाइफ और लव अफेयर्स के किस्से लोग बड़े चटकारों के साथ सुनते-पढ़ते हैं। इन दिनों ऐसी ही मजेदार खबरों को लेकर लापता लेडीज में जया और दीपक का किरदार निभाने वाले प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव हैं। क्योंकि खबर है कि दोनों एक दूसरे के प्यार में गिरफ्त हो गए हैं। खबरों ने तूल पकड़ा तो प्रतिभा और स्पर्श ने अपने रिश्ते का सच दुनिया के सामने ला कर रख दिया।

किरण राव डायरेक्टेड मूवी लापता लेडीज को जबरदस्त पॉपुलैरिटी मिली। फिल्म की खूब सराहना हुई। लेकिन फिल्म के रिलीज होने के बाद इसमें 'जया' का किरदार निभाने वाली प्रतिभा रांटा और 'दीपक' का किरदार निभाने वाले स्पर्श श्रीवास्तव को लेकर खबर है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। अब दोनो को एकटर्स ने इस खबर की सच्चाई बताई है।

स्पर्श श्रीवास्तव को डेट कर रही हैं प्रतिभा रांटा?

फिल्म प्रमोशन के दौरान प्रतिभा और स्पर्श को साथ में देखा गया। दोनों के बीच जबरदस्त बॉन्डिंग गेखी ग, जिसके बाद से दोनों के लिंकअप की खबरें आने लगी थीं। फैंस उनसे लगातार पूछ रहे हैं कि आखिर सच क्या है? क्या वो डेट कर रहे हैं? हाल ही में फिल्म की सफलता के बाद, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव मुंबई में नेटफ्लिक्स ऑफिस पहुंचे, जहां उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया।

डेटिंग की खबरों पर क्या बोले 'जया-दीपक'

सवाल का जवाब देते हुए प्रतिभा ने कहा, 'क्या हम कर रहे हैं? बिल्कुल भी नहीं।' प्रतिभा की बात को आगे बढ़ाते हुए स्पर्श ने कहा, 'यार, एक लड़का और लड़की सिर्फ दोस्त भी हो सकते हैं।' इसके बाद, दोनों ने अपने हाथों से हार्ट बनाने की कोशिश की लेकिन उसमें वो बुरी तरह फेल हो गए। एक फैन ने स्पर्श से पूछा क्या आपकी लाइफसे भी लेडीज लापता हैं? इसपर स्पर्श पहले थोड़ी देर सोचते हैं फिर कहते हैं, 'हां बहुत ज्यादा लापता है और अब बहुत जरूरत है कि लाइफ में एक नई लेडी की एंट्री हो जाए।'

क्या है फिल्म की कहानी

इस फिल्म में दो ऐसी शादीशुदा लड़कियों की कहानी है जिनके सपने एक दूसरे से अलग हैं। दोनों दुल्हनों की स्टेशन पर अदलाबदली हो जाती है। ये अदलाबदली घूंघट जैसी प्रथा की वजह से होती है। इस कहानी में आप देखेंगे कि कैसे लापता होने के बाद दोनों लड़कियां अपने जीवन के मकसद को खोज पाती हैं।

'लापता लेडीज' के बाद 'हीरामंडी'में नजर आईं प्रतिभा

आपको बता दें कि प्रतिभा को 'लापता लेडीज' में अपने रोल के लिए काफी नेम-फेम मिला था। इसके बाद वो संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। सीरीज में उनका रोल काफी पसंद किया गया। वो संजीदा शेख की बेटी 'शमा' के रोल में नजर आई थीं। बात करें स्पर्श की तो वह कई फिल्मों के साथ टीवी शोज में भी नजर आ चुके हैं।

खिलौनों से खेलने की उम्र में थामा माइक, फिर ऐसे चमकी किस्मत कि आज हैं 100 करोड़ से ज्यादा का नेटवर्थ

बॉलीवुड में सिंगिंग से बनाई पहचान

बचपन से ही नेहा कक्कड़ ने बहुत स्ट्रगल किया है। उन्होंने 4 साल की उम्र से ही जागरण में गाना शुरू कर दिया था। नेहा अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। नेहा कक्कड़ बॉलीवुड की टॉप सिंगर्स में से एक हैं। उनका हर गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में टॉप पर अपनी जगह बना लेता है। नेहा ने बहुत मेहनत करके इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। उनकी जर्नी इतनी आसान नहीं थी।

बचपन से ही नेहा ने बहुत स्ट्रगल किया है। उन्होंने 4 साल की उम्र से ही जागरण में गाना शुरू कर दिया था। नेहा आज अपना 36वां जन्मदिन मना रही हैं। नेहा के बर्थडे पर आपको उनके स्ट्रगल की कहानी बताते हैं।

4

साल की उम्र से गाने लगीं थीं सिंगर

नेहा कक्कड़ ने बहुत ही उम्र में गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने 4 साल की उम्र में जागरण में गाना गाया था। उन्होंने शुरुआत में सिर्फ भजन संध्या में ही गाया। 4 साल से लेकर 16 साल की उम्र तक नेहा ने सिर्फ जागरण में गाया। घर का खर्चा उठाने में पिता की मदद करने के लिए नेहा ऐसा किया करती थीं।

इंडियन आइडल से हुई एलिमिनेट

जागरण में गाने के बाद नेहा ने रियलिटी शो में हिस्सा लेने का फैसला लिया। उन्होंने इंडियन आइडल 2 में जाने का फैसला लिया। वो चाहती थीं कि लोग भी उन्हें पहचाने और वो इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन जाए। इंडियन आइडल में नेहा सिलेक्ट हो गई थीं लेकिन उनकी परफॉर्मेंस लोगों को इतनी पसंद नहीं आई जिसकी वजह से वो बहुत जल्दी शो से बाहर हो गई थीं। मगर कहते हैं ना किस्मत को पलटते देर नहीं लगती है। सालों बाद जब नेहा एक पॉपुलर सिंगर बन गईं तो आज वो उसी शो को जज करती नजर आती हैं। जी हां नेहा कक्कड़ इंडियन आइडल को जज करती हैं।

सेंकड हैंड जवानी से मिली पहचान

नेहा कक्कड़ को बॉलीवुड में पहचान कॉकटेल फिल्म के सेकंड हैंड जवानी गाने से मिली। इसके बाद से उन्होंने कभी करियर में पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनके हर गाने हिट रहे। उन्होंने सनी सनी, लंदन ठुमकदा, काला चश्मा, कर गई चुल, आंख मारे जैसे कई सुपरहिट गाने गाए हैं।

गर्मियों में परफ्यूम की महक को पूरे दिन बरकरार रखने अपनाएं ये 5 टिप्स

भारत के उत्तरी राज्यों में इन दिनों तापमान 45-50 डिग्री का आंकड़ा पार कर रहा है। इस भीषण गर्मी से सभी का हाल बेहाल है।धूप और लू के चलते शरीर में अधिक पसीना आता है, जिसके कारण दुर्गंध आने लगती है। इस मौसम में सबसे बढ़िया गुणवत्ता वाले परफ्यूम भी ज्यादा देर टिक नहीं पा रहे हैं।ऐसे में हम आपके साथ 5 टिप्स साझा करेंगे, जिनकी मदद से आप परफ्यूम की महक को देर तक बरकरार रख पाएंगे।

अपनी त्वचा को करें मॉइस्चराइज

त्वचा को मॉइस्चराइज करना केवल त्वचा की देखभाल के लिए ही नहीं, बल्कि परफ्यूम की महक को देर तक टिकाने के लिए भी कारगर हो सकता है।आप गर्मियों में परफ्यूम लगाने से पहले अपनी त्वचा पर परत बनाने के लिए जेल आधारित मॉइस्चराइजर का उपयोग कर सकते हैं। जब आप परफ्यूम को हाइड्रेटेड त्वचा पर लगाते हैं, तो उसकी महक ज्यादा देर तक टिकती है। जानिए गर्मी के दौरान तैलीय त्वचा को मॉइस्चराइज करने के फायदे।

पल्स पॉइंट्स पर लगाएं परफ्यूम

हमारे शरीर में कुछ ऐसे पल्स पॉइंट होते हैं, जिन पर लोग परफ्यूम लगाने की सलाह देते हैं। ये पल्स पॉइंट्स गर्दन, कान के पीछे, कलाई और भीतरी कोहनियां होती हैं।कई लोग परफ्यूम लगाने से पहले उनकी महक को भीना बनाने के लिए उसे अपनी कलाइयों पर रगड़ते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे खुशबू के अणु तेजी से टूटते हैं।घर से बाहर निकलने से पहले अच्छी तरह प्रेशर पॉइंट्स पर परफ्यूम जरूर लगाएं।

परफ्यूम की बोतल को ठीक से करें स्टोर

हमारे कमरे का तापमान बाहरी मौसम की स्थिति के आधार पर बदलता रहता है। यह बदलता तापमान और धूप परफ्यूम के लिए अच्छे नहीं होते। इसलिए, परफ्यूम की बोतलों को ऐसी जगह पर रखना चाहिए, जहां का तापमान स्थिर रहे।आप परफ्यूम को अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखने के बजाए अपनी अलमारी में रख सकते हैं। साथ ही इसे ठंडी और अंधेरी जगह पर रखना चाहिए।जानिए परफ्यूम, बॉडी मिस्ट, डियोड्रेंट और बॉडी स्प्रे के बीच का अंतर।

अपने शरीर के मुताबिक चुनें खुशबू

हर किसी के शरीर का प्रकार अलग होता है और वे विभिन्न प्रकार के परफ्यूम पर अलग प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में आप समझने की कोशिश करें की आपका शरीर विभिन्न प्रकार की सुगंधों पर कैसे प्रतिक्रिया देता है।आप अपने शरीर की सुगंध के प्रकार को समझने के लिए परफ्यूम परीक्षण कर सकते हैं। रूखी त्वचा पर तीव्र और स्पाइसी नोट्स वाली सुगंध अच्छी लगती है।साथ ही तैलीय त्वचा वाले लोगों को फलों वाले परफ्यूम लगाने चाहिए।

परफ्यूम को अच्छी तरह करें लेयर

आपको अपने परफ्यूम को अच्छी तरह से शरीर पर लेयर करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है की शरीर के सभी अंगों से समान सुगंध आए। अपने बालों में कंघी करने से पहले अपने हेयर ब्रश पर भी परफ्यूम को हल्के से स्प्रे करें।

ऋचा चढ्डा ने अली फजल के साथ अंतरधार्मिक विवाह पर तोड़ी चुप्पी, आलोचनाओं पर किया करारा पलटवार

अभिनेत्री ऋचा च । और अली फजल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। 'फुकरे' के सेट पर पहली बार मिले इस जोड़े ने 2020 में कोरोना महामारी के दौरान शादी कर ली, लेकिन 2022 में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ अपने मिलन का जश्न मनाया। ऋचा और अली अलग-अलग धर्मों से आते हैं। इस कारण दोनों को काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था। अब खुद ऋचा ने इन आलोचनाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी है।

एक इंटरव्यू में ऋचा चड्ढा ने शादी पर नेटिजन्स की ओर से मिली आलोचनाओं पर कहा, 'अगर आप अपनी पसंद के साथ दृढ़ हैं और आपका परिवार आपके साथ है और आपका समर्थन करता है, तो वास्तव में कोई और मायने नहीं रखता। जैसा कि मैंने कहा, एक इंसान पहले एक इंसान होता है और जब आप प्यार में पड़ जाते हैं, तो आपकी खोज में कोई फिल्टर नहीं होता है। जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो यही होता है।'

उसी बातचीत में, जब ऋचा चड्ढा से उनके रिश्ते के शुरुआती दिनों में अक्सर रेस्तरां में जाने के बारे में पूछा गया, तो ऋचा ने याद किया कि वह नहीं चाहती थीं कि उनके परिवार को प्रेस के माध्यम से पता चले कि वह अली को डेट कर रही हैं। अभिनेत्री ने बात में जोड़ा, 'मैं नहीं चाहती थी कि मेरे परिवार को प्रेस से पता चले। आप जानते हैं, हमारे भी परिवार हैं। जब मैं घर पर अपने परिवार के साथ इस पर चर्चा करने के लिए तैयार थी, तब मैंने सोचा कि मैं अभी बाहर आऊंगी।'

ऋचा ने कहा कि उन्होंने और अली ने अपने रिश्ते की घोषणा करने का फैसला तब किया जब वह वेनिस फिल्म फेस्टिवल में विक्टोरिया एंड अब्दुल के प्रीमियर के लिए उनके साथ यात्रा करना चाहती थीं। ऋचा ने बताया, 'मुझे याद है कि मुझे जूडी डेंच के साथ वेनिस फिल्म फेस्टिवल (विक्टोरिया एंड अब्दुल) के लिए उनका प्लस वन बनने के लिए यात्रा करनी पड़ी थी। इसी दौरान मैंने अली से कहा कि चलो अपने परिवार को अपने रिश्ते के बारे में बताए।'

ऋचा चड्ढा ने पहले साझा किया था कि उन्होंने और अली फजल ने 2020 में विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी कर ली थी, लेकिन महामारी के कारण किसी को पता नहीं चला कि उन्होंने शादी कर ली है। उन्होंने एक अन्य इंटरव्यू के दौरान साझा किया था, 'हमने विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की, पारिवारिक अदालत बिल्कुल पास में है और यह अत्यंत शांतिपूर्ण था। जानकारी हो कि ऋचा चड्ढा इन दिनों संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने लज्जो के किरदार के लिए तारीफें बटोर रही हैं।

किन लोगों को सुबह-सुबह नहीं पीना चाहिए नींबू पानी? क्यों मना करते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

नींबू में भरपूर मात्रा में विटामिन सी होता है जो सेहत के लिए हर लिहाज से फायदेमंद माना जाता है। गर्मियों में हर रोज लोग नींबू पानी पीना पसंद करते हैं। वजन घटाने से लेकर इम्युनिटी मजबूत करने तक नींबू पानी बेहद कारगर है। कई लोग ऐसे हैं जो वजन घटाने के लिए सुबह के वक्त खाली पेट गुनगुना पानी में नींबू डालकर पीते हैं। लेकिन सबसे जरूरी है कि यह सभी लोगों को सूट नहीं करती है। कुछ लोगों को इसके फायदे की जगह नुकसान होने लगता है। साथ ही पेट से जुड़ी कई सारी समस्याएं भी होने लगती है। आइए विस्तार से जानें किन लोगों को खाली पेट नींबू पानी नहीं पीना चाहिए ?

नींबू किसे नहीं खाना चाहिए?

जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या है। उन्हें नींबू नहीं खाना चाहिए। जिन लोगों को दांतों से जुड़ी सेंसिटिविटी की बीमारी है। उन्हें नींबू का इस्तेमाल ज्यादा नहीं करना चाहिए। अगर आपको किडनी की बीमारी है। तो नींबू कम खाएं। इसके अलावा, नींबू अधिक खाने से हड्डियों के लिए भी खतरनाक हो सकता है।

खाली पेट नींबू पानी पीने के नुकसान

एसिडिटी बढ़ती है

अगर आप खाली पेट नींबू-पानी पीते हैं तो एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे लोगों को खाली पेट नींबू पानी पीने से बचना चाहिए। नींबू में साइट्रिक एसिड अधिक होता है। जो एसिडिटी को बढ़ाता है। खासकर खाली पेट नींबू पानी पीने से एसिडिटी के मरीजों को नुकसान हो सकता है।

दांतों को नुकसान

जो लोग रोजाना नींबू पानी पीते हैं। उन्हें दांतों की समस्या हो सकती है। खाली पेट नींबू पानी पीने से सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसका मुख्य कारण नींबू में पाया जाने वाला एसिड है। इससे दांतों में संवेदनशीलता बढ़ती है। इससे दांतों की सुरक्षा करने वाला इनेमल भी कमजोर होता है।

हड्डियां कमजोर हो सकती हैं

जो लोग रोजाना बहुत ज्यादा नींबू-पानी पीते हैं, उन्हें फायदे से ज्यादा नुकसान होने की संभावना होती है। नींबू में एसिड होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा नहीं होता। इसलिए खाली पेट नींबू पानी पीने से बचना चाहिए।

किडनी पर असर

जिन लोगों को किडनी की समस्या है, उन्हें खाली पेट नींबू पानी नहीं पीना चाहिए। इससे किडनी पर दबाव पड़ता है। जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। क्रोनिक किडनी डिजीज में भी नींबू पानी नहीं पीना चाहिए।

खास खबर

जिले में 12 तक मनाया जायेगा स्वच्छ-हरित ग्राम सप्ताह

धमतरी। जिले में आगामी 12 जून तक स्वच्छ-हरित सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव ने इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा गांव में पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत 12 जून 2024 तक स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह का आयोजन करने कहा गया है। इसके तहत भूजल को रिचार्ज करने और जल भराव को लंबे अवधि तक रोकने में सोकपिट एवं वाटर हार्वेस्टिंग संरचना के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिससे वर्षा जल के प्रभावी प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान कर सभी सार्वजनिक नलकूप हैंड पंप के पास सोकपिट का निर्माण तथा सार्वजनिक पक्का भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग संरचना बनाने के लिए आमजन एवं ग्राम पंचायत को भी प्रोत्साहित किया जावेगा। इसी तरह वर्मी कंपोस्ट नाडेप पिट से जैविक कचरे को पोषक तत्व के रूप में जैविक खाद बनाने, जैविक कचरे का प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए ग्राम पंचायत में वर्मी कंपोस्ट नाडेप पिट का निर्माण करने के लिए आमजन एवं हितग्राहियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्राम पंचायत के कचरे से कंपोस्ट खाद अपशिष्ट पदार्थ का पुन: उपयोग एवं गैर बायोडिग्रेडबेल कचरे का रीसाइकलिंग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे भूमि में कचरो की रोकथाम के साथ ही पोषक खाद बनाया जा सके।

चेंबर का प्रतिनिधि मंडल एवं टेक्निकल टीम राज्य जीएसटी आयुक्त से मिला

रायपुर। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना क्रमांक 10-31/2018/वाक/पांच (46) को यथावत रखने हेतु किया निवेदन। राज्य जीएसटी आयुक्त रजत बंसल जी ने उक्त विषयों पर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया: पारवानी। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेंबर अध्यक्ष अमर परवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य जीएसटी आयुक्त रजत बंसल से मुलाकात कर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत ई-वे बिल से संबंधित पूर्व अधिसूचना को यथावत रखने तथा राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों को दिए जा रहे विभिन्न नोटिसों पर स्वत: रोक लगाने प्रदेश भर के व्यापारियों से प्राप्त नोटिस की प्रतिलिपि सहित ज्ञापन सौंपा। जिस पर राज्य जीएसटी आयुक्त रजत बंसल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही। इस अवसर पर एडिशनल कमिश्नर टी.आर.धुर्वे जी एवं डिप्टी कमिश्नर मनीष मिश्रा भी मौजूद रहे।

इको सिस्टम को बेहतर बनाने वेदांता करेगा काम, हुआ समझौता

कोरबा। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने भारत की अग्रणी पर्यावरण परामर्शक फर्म आईओआरए ईकोलॉजिकल सॉल्यूशंस के साथ एक करार (मैमोरैंडम ऑफअंडरस्टैंडिंग) पर दस्तखत किए हैं। इस भागीदारी के तहत वेदांता एल्यूमिनियम आईओआरए के सहयोग से अपने प्रचालनों के आसपास के इलाकों में प्रकृति आधारित समाधानों (एनबीएस) को अमल में लाते हुए जैवविविधता व प्राकृतिक स्त्रोतों को संरक्षित करेगी तथा लैंडस्केप स्तर पर जलवायु पलटाव हासिल करेगी। एक बड़े क्षेत्र में पानी, मिट्टी, वनस्पति और जीवों जैसे कुदरती संसाधनों का संरक्षण लैंडस्केप स्तर पर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में शामिल होता है। 2009 में स्थापित आईओआरए प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कार्बन फॉरेस्ट्री, जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण एवं अनुकूलन में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करती है। इस सहभागिता के अंतर्गत आईओआरए वेदांता एल्यूमिनियम को ऐसी परियोजनाओं के विकास एवं अमल में सहयोगी करेगी जो स्थानीय जैवविविधता एवं ईकोसिस्टम के लैंडस्केप स्तरीय प्रबंधन पर केन्द्रित होंगे। इनमें जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण हेतु तकनीक-चालित परियोजनाओं की पहचान, डिजाइनिंग व प्रबंधन जो कि वैश्विक सस्टेनेबिलिटी प्रयासों एवं संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के मुताबिक होंगे। ऑफसैट एवं जैव विविधता प्रबंधन परियोजनाओं को पड़ोसी समुदायों और अन्य इच्छुक पक्षों के साथ मिलकर लागू करेगी।

74 महिला उम्मीदवारों ने दर्ज की जीत

नईदिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे 4 जून को आ गए. इस बार 17वीं लोकसभा के मुकाबले महिला प्रतिनिधियों की संख्या में गिरावट हुई है. बीजेपी उम्मीदवार मेनका गांधी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी इस बार लोकसभा चुनाव हार गईं. जबकि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष इस बार लोकसभा चुनाव न लड़कर राजस्थान से राज्यसभा पहुंच गईं. 2019 के लोकसभा में 17वीं लोकसभा के कुल 78 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंचीं थी लेकिन 18वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्य कम हो गई है।

दरअसल, इस बार कुल 74 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. संख्या के लिहाज से इस बार लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 13.62 प्रतिशत होगी।

इस बार सबसे ज्यादा बंगाल में महिलाओं ने लोकसभा चुनाव जीता है. पश्चिम बंगाल से कुल 11 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. इस बार लोकसभा चुनाव में कुल 797 महिला उम्मीदवरा चुनावी मैदान में थीं. इनमें सबसे ज्यादा बीजेपी ने 69 महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारा था. इसके बाद कांग्रेस ने 41 महिलाओं को अपना प्रत्याशी बनाया था. बता दें कि लोकसभा एवं विधान सभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाला विधेयक संसद से पारित होने के बाद यह पहला लोकसभा चुनाव था, हालांकि ये कानून अभी तक लागू नहीं हुआ है.

जानकारी के मुताबिक, इस बार चुनी गई कुल 74 महिला सांसदों में से 16 प्रतिशत की उम्र 40 वर्ष से कम है, जबकि 41 प्रतिशत ऐसी महिला सांसद बनी हैं जो पहले भी लोकसभा की सदस्य रह चुकी हैं. जबकि एक महिला सांसद राज्य सभा में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं.

चुनाव आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, इस बार बीजेपी की 30, कांग्रेस की 14, तृणमूल कांग्रेस की 11, समाजवादी पार्टी की चार, द्रमुक की तीन, जदयू एवं लोजपा (रामविलास) की दो-दो महिला प्रत्याशी चुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं. विश्लेषण के मुताबिक, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में भारत अभी भी कई देशों से पीछे हैं. जो एक चिंता का विषय है. उदाहरण के तौर पर दक्षिण अफ्रीका में 46 प्रतिशत महिलाएं संसद में प्रतिनिधित्व करती हैं. जबकि ब्रिटेन में ये संख्या 35 प्रतिशत हबै. वहीं अमेरिका में 29 प्रतिशत महिलाएं सांसद हैं. वहीं 18वीं लोकसभा में इस बार चुनाव जीतकर कुल 280 नए चेहरे संसद पहुंचे हैं. इनमें पूर्व मुख्यमंत्री, फिल्मी सितारे, राजनीतिक कार्यकर्ता और हाईकोर्ट के पूर्व जज का नाम भी शामिल है. इन प्रमुख चेहरों में किशोरी लाल शर्मा, चंद्रशेखर आजाद, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, मनसुख मांडविया, परषोत्तम रूपाला जैसे नाम शामिल हैं. नए चेहरों में उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक अधिक 45 और महाराष्ट्र से 33 उम्मीदवार पहली बार चुनाव जीतकर संसद के सदस्य बने हैं।

सूर्य की तपिश से मिलेगी राहत, जल्द छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा मानसून

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सूर्य की तपिश से बहुत जल्द राहत मिलने वाली है। राज्य में प्री मानसून गतिविधियां प्रारंभ हो गई हैं। सुकमा में 3 सेमी और अंबागढ़ चौकी में 2 सेमी वर्षा सहित प्रदेश के कई हिस्सों में बूंदाबांदी से लेकर हल्की बारिश दर्ज की गई है। इस बार मानसून तय वक्त से पहले ही केरल प्रवेश कर चुका है। इसके प्रभाव छग में भी देखने को मिलेगा। यहां भी तय समय से पहले ही मानसून प्रवेश होगा। वर्तमान में बन रही स्थिति के अनुसार मौसम विभाग का अनुमान है कि मानसून छग में 10 जून के आस- पास प्रवेश करेगा। इसके 3 दिनों पश्चात अर्थात 13 जून के करीब राजधानी में मानसून दस्तक देगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में मानसून आने की सामान्य तिथि 13 जून है। इसके तीन दिनों बाद 16 जून को रायपुर में दस्तक होती है तथा 21 जून को अंबिकापुर पहुंचने के साथ ही यह पूरे प्रदेश में छा जाता है। शुक्रवार को भी छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने और तेज हवा चलने की आशंका भी मौसम विभाग द्वारा जताई गई है। अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, कर्नाटक के अधिकतर हिस्सों, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकतर हिस्सों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। मानसून की उत्तरी सीमा रत्नागिरी, सोलापुर, मेडक, भद्राचलम, विजयनगरम और इस्लामपुर से होकर गुजरना रही है। अगले 3-4 दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

शिवोम विद्यापीठ के तुषार और अनुष्का को मिला राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार और इंटरनेशनल स्टार अवॉर्ड्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महादेव घाट के पास स्थित शिवोम विहार जहां शिवोम विद्यापीठ इंग्लिश मीडियम स्कूल रायपुरा,रायपुर जिसकी पहचान शिक्षा ,संस्कार, और अनुशासन है। यह स्कूल प्रारंभ से ही शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा आगे रहा है यह के स्कूली बच्चे जो हमेशा अच्छे नंबरों से पास होते आ रहे है ,यह इसकी पहचान है।

साथ ही साथ यह नही प्रतिभा के क्षेत्र में भी सदैव आगे रहा है, हाल ही में यहां के 12वीं के छात्र तुषार श्रीवास ने योग में अच्छी प्रतिभा दिखाते हुए अपना नाम और अपने परिवार का नाम रोशन किया है। जिससे खुश होकर मुंबई से इंटरनेशनल स्टार अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया।

वहीं 9वीं का छात्रा अनुष्का पाल ने कठिन आसनों का प्रदर्शन दिखा कर बेस्ट ऑफ़ योग पोज का खिताब अपने नाम किया है। इन्हें राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से मुंबई द्वारा गोल्ड मेडल इंटरनेशनल सर्टिफिक्रेट और ट्रॉफी से सम्मानित किया ।

योग के क्षेत्र में आगे ले जाने वाले शिवोम विद्यापीठ के योग शिक्षक टिकेश्वर पटेल योग ब्रांड एंबेसडर ऑफ़ छत्तीसगढ़ के है जिनके सानिध्य में यह अभ्यास संपन्न हुआ। स्कूल के डायरेक्टर सर अवधेश शर्मा और प्रिंसिपल प्रीतु सिंह मैम के सानिध्य में यह अवसर प्राप्त हुआ। तुषार श्रीवास का कहना है कि वह इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बहुत मेहनत की। तुषार का कहना है कि उसने अपने जीवन में जो भी कामयाबी हासिल की है उससे परिवार और टीचर बहुत प्रसन्न हैं। तुषार ने बॉक्सिंग में कोलकाता और हैदराबाद में गोल्ड मेडल हासिल किया साथ ही इंटरनेशनल योगा बुक ऑफरिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज किया ।

भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करना सबसे ज्यादा जरूरी - सीएमडी मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। 5 जून को एसईसीएल मुख्यालय प्रशासनिक भवन प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस सोल्लासपूर्ण मनाया गया । इस अवसर पर प्रारंभ में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक बिरंची दास, महाप्रबंधक बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में पर्यावरण ध्वज फहराया उपरांत कोलइण्डिया कारपोरेट गीत बजाया गया ।

इस अवसर पर पर्यावरण विषयक पोस्टर एवं पर्यावरण दर्पण पत्रिका का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिज्ञा का पठन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने किया जिसे समस्त उपस्थितों ने दोहराया। इस अवसर पर श्री दिनेश पाण्डे एण्ड ग्रुप द्वारा जंगल, जल, जमीन संरक्षण पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया जिसे समस्त उपस्थितों ने सराहा। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने का किया आह्वान हुए कहा कि वसुन्धरा को एक बेहतर कल के लिए संवरित करने हेतु एसईसीएल पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारा प्रत्येक खनिक दृढ़ मनोबल लेकर प्रकृति को संरक्षित एवं सवंर्धित करने के लिए कृत संकल्पित हैं। यह हमारे उन जीवन मूल्यों के अनुसार ही है जैसा हमारे वेद शास्त्रों में उल्लेखित है . रक्षये प्रकृति पांतुलोकारू . हे धरा के वासियों! प्रकृति की रक्षा करो। निदेशक (वित्त) जी. श्रीनिवासन ने कहा जीवन को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यावश्यक है, इस दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को पुरजोर प्रयास करना चाहिए। हमें अपनी प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए। निदेशक तकनीकी फ्रेंक्कलिन जयकुमार ने कहा देश की मांग अनुसार हम कोयला उत्पादन करते हैं, साथ ही हमारी जिम्मेदारी यह भी है कि हम प्रकृति का सन्तुलन बनाए रखने के लिए पौधों का रोपण व उनका संवर्धन करें। निदेशक बिरंची दास ने कहा देश की ऊर्जा आपूर्ति के लिए कोयला उत्खनन के साथ-साथ हमारी कम्पनी एसईसीएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कार्य किया किया जाता है। उन्होंने कहा पृथ्वी के धरोहर को ग्रीन कव्हर करना आवश्यक है जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ्य पर्यावरण दे सकें। उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति को प्रति वर्ष अपने आसपास कुछ पौधरोपण कर उनका संरक्षण करें।

कार्यक्रम के अंत में इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं निबंध प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी फ्रेंक्कलिन जयकुमार, निदेशक बिरंची दास, श्रद्धा महिला मण्डल अध्यक्षा पूनम मिश्रा, उपाध्यक्षा राजी श्रीनिवासन, श्रीमती बी. अनिता, महाप्रबंधक बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा औषधीय, फलदार पौधों व विविध पौधों का रोपण प्रशासनिक भवन स्थित प्रांगण में किया गया।

बस्तर में स्वास्थ्य सुविधा के क्षेत्र में नई पहल

महारानी अस्पताल में आभा ऐप के क्यूआर कोड से करवा सकते हैं पंजीयन

जगदलपुर(आरएनएस)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यथा आभा के अंतर्गत जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल जगदलपुर में मरीजों को ओपीडी पर्ची के लिए अब लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। मरीज या परिजन घर बैठे ही मोबाइल ऐप आभा के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके लिए उक्त ऐप के क्यूआर कोड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस ऐप में मरीज का एक आभा कार्ड बनेगा जिसमें यूजर्स को एक 14 डिजिट का कार्ड नंबर मिलेगा। जिसमें मरीज के हेल्थ डायग्नोस्टिक व दवाई की पूरी जानकारी भी होगी।

इससे देश में कहीं पर भी किसी भी डॉक्टर द्वारा मरीज की पूरी हेल्थ हिस्ट्री जानने में सहूलियत होगी।इसके तहत यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके तहत कोई भी व्यक्ति आभा एप पर अपना आभा कार्ड बनवा सकते हैं। इसमें पंजीयन के लिए मरीज या परिजन को आभा ऐप या जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल जगदलपुर के ऐप का क्यूआर कोड का इस्तेमाल करना होगा।

आसान है आभा ऐप का उपयोग करना : डॉ प्रसाद जिला अस्पताल जगदलपुर के सिविल सर्जन डॉ. संजय प्रसाद ने इस बारे में बताया कि आभा ऐप का उपयोग कोई भी स्मार्ट मोबाईल धारक कर सकता है। ऐप या क्यूआर कोड के माध्यम से रजिस्टर्ड ऑप्शन में जाकर अपना मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर दर्ज कर रजिस्टर्ड करें। इसके बाद ओटीपी सत्यापन होगा और उपयोगकर्ता को अपना नाम, लिंग, जन्मतिथि, मोबाइल नम्बर व ईमेल का विवरण अपने मोबाइल पर स्वयं दर्ज करना होगा। इस ऐप से संबंधित क्यूआर कोड जिला चिकित्सालय महारानी अस्पताल जगदलपुर में चस्पा किया गया है। एक बार रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात पुन: चिकित्सालय में फॉलोअप आने पर स्वयं अपना रजिस्ट्रेशन आभा नंबर के माध्यम से कर सकते हैं।

उत्कृष्ट किक बॉक्सर हुए मंत्री के हाथों सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ किकबाक्सिंग एसोसिएशन के तत्त्वधान में सीएमए किकबाक्सिंग एकेडमी कोरबा में 11वी राज्य स्तरीय किकबाक्सिंग प्रतियोगिता कोरबा , रायपुर एवं पुणे में आयोजित राष्ट्रीय किकबाक्सिंग स्पर्धा के पदक प्राप्त खिलाडियों का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि मंत्री लखन देवांगन देवांगन ने सभी खिलाडियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इन्होंने एकेडमी के प्रशिक्षकों एवं खिलाडियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को देश में सेकंड रनर अप ट्राफी जितने पर बधाई दी।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में सभी आयामों के साथ साथ खेल और खिलाडियों की भी अहम भूमिका है। किकबाक्सिंग खेल से मनोबल बढ़ता है और इस खेल के विकास के लिए वे हर संभव सहयोग करते रहेंगे। एसोसिएशन के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा ने संगठन की गतिविधियों और सफलता के बारे में जानकारी दी। जिले एवं राज्य की टीम के सभी खिलाडियों एवं आफिशियल के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान, पूजा पांडेय,सानू मेहराज, मो आसिफ़ शुभम यादव, हिमांशु यादव, सोमेश साहू, तुषार सिंह, रमनदीप सिंह, आदित्या पाल शुभकामनाएं दी।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

राजधानी में 200 रुपए के लिए मर्डर: उधारी के पैसे वापस नहीं देने पर पट्टे से सिर पर किया वार

रायपुर। रायपुर में उधारी के महज 2 सौ रुपए के लिए मर्डर हो गया। घटना 2 जून की है। टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर में दो लोगों के बीच मारपीट हुई थी। इस दौरान एक युवक ने मोहल्ले के ही एक व्यक्ति पर लकड़ी के पट्टे से वार किया था। घायल को लहुलुहान हालत में डीकेएस अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान अब उसकी मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक 2 जून की देर रात भजन लाल यादव पड़ोस में किराना दुकान के पास खड़ा था। तभी तुषार साहू आया और उसने भजन लाल से अपने उधारी के दो सौ रुपए लौटाने को कहा। भजन लाल ने रुपए देने से मना किया तो दोनों को बीच बहसबाजी और फिर मारपीट होने लगी। इसी दौरान तुषार ने उसके सिर पर लकड़ी के पट्टे से वार कर दिया। लहुलुहान हालत में डीकेएस अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और केस दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, आरोपी तुषार साहू ने भजन लाल को दो सौ रुपए उधार दिए थे। 2 जून की रात किराना दुकान के पास भजन लाल खड़ा था। इसी दौरान तुषार वहां पहुंच गया और उसने भजन को देखते ही उधार के पैसे मांगने शुरू कर दिया। लेकिन भजन ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया। इस बात से गुस्साए तुषार ने लकड़ी का पट्टा उसके सिर पर मार दिया। टिकरापारा थाना प्रभारी दुर्गेश रावटे ने बताया कि हत्या का केस दर्ज होते ही पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी। इस मामले में पुलिस ने तुषार साहू को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

नाबालिग बेटी से पिता करता रहा दुष्कर्म, जुर्म दर्ज

बिलासपुर। सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली किशोरी से उसका पिता ही दुष्कर्म करता रहा। इसकी जानकारी उसकी मां को भी थी। लोकलाज के भय से महिला इसका विरोध नहीं कर पा रही थी। किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली किशोरी ने दुष्कर्म की शिकायत की है। पीड़ित ने बताया कि उसका पिता ही उसके साथ दुष्कर्म करता था। इसकी जानकारी उसकी मां को भी थी। लोकलाज के भय से वह थाने में शिकायत नहीं कर पा रही थी। पिता की हरकतों से तंग आकर किशोरी ने पूरे मामले की शिकायत थाने में की है। इस पर पुलिस ने आरोपित पिता के खिलाफजुर्म दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि बेटी से दुष्कर्म की जानकारी मां को भी थी। इस बात को लेकर वह भी बड़ी दुखी थीं। जैसे तैसे करके समय बिता गया दरिंदा पति से पत्नी कुछ नहीं बोल पाई। बड़ी हिम्मत करके स्वयं बेटी ने अपने पिता के खिलाफ जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई इस पर पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफजुर्म दर्ज कर लिया है।

भिलाई में मर्डर : पत्नी को चाकू से गोदकर फरार हुआ पति, तलाश में जुटी पुलिस

नेवई थाना क्षेत्र का मामला, पत्नी को मायके से लेने आया था पति, विवाद हुआ तो दिया वारदात को अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र में गुरुवार को सनकी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी को चाकू से गोदकर आरोपी पति फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना गुरुवार सुबह 9:30 से 10 बजे के बीच की है। घटना की सूचना मिलने के बाद नेवई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

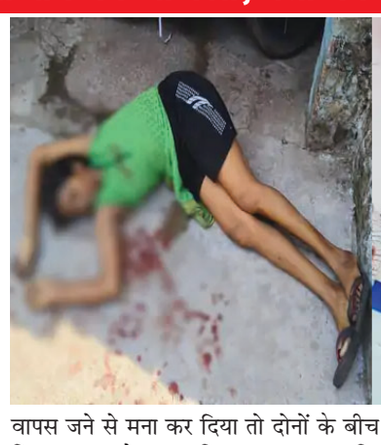

नेवई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हत्या की यह खौफनाक वारदात मरोदा क्षेत्र की है। प्रेरणा मसीह (31) नाम की महिला अपने बच्चे के साथ मायके में रह रही थी। उसकी शादी पांच साल पहले दल्ली राजहरा में साइमन मसीह के साथ हुई थी। पिछले डेढ़ साल से वह मायके मरोदा में रह रही थी और ट्यूशन पढ़ाकर अपना भरन पोसन कर रही थी। गुरुवार को उसका पति साइमन मसीह उसे और बच्चे को वापस लेने मरोदा पहुंचा था।

दल्ली राजहरा निवासी साइमन मसीह गुरुवार की सुबह ट्रेन से अपनी पत्नी प्रेरणा मसीह और बच्चे को लेने ससुराल पहुंचा था। पत्नी ने घर वापस जने से मना कर दिया तो दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि अचानक आरोपी साइमन ने पत्नी प्रेरणा पर घर पर रखे चाकू से वार कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटी प्रेरणा की आवाज सुनकर जब पिता सैमुएल तांडी (65) वहां पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया, तो साइमन ने ससुर पर भी चाकू से हमला कर दिया। जिससे सैमुएल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से घायल सैमुएल पास्टर है। जिसे इलाज के लिए रायपुर मेकाहारा रेफर किया गया है।

नशे का आदी है आरोपी

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी साइमन मसीह नशे का आदी है और शादी के बाद से लगातार पत्नी से विवाद करता था। यह भी पता चला है कि आरोपी साइमन कोई कामधंधा भी नहीं करता था। इसी वजह से उसकी पत्नी प्रमिला ने उसे छोड़ दिया और मायके आकर रहने लगी थी। गुरुवार को वह अपनी पत्नी को लेने पहुंचा और मना करने पर आपे से बाहर हो गया। हत्या के बाद आरोपी साइमन मसीह फरार हो गया है पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पत्नी की चाकू गोदकर हत्या, मीरादतार मजार में इलाज कराने पहुंची थी महिला

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी की चाकू गोदकर हत्या कर दी। आरोपी पति बीमार था और उसकी पत्नी उसके इलाज के लिए मीरादतार पहुंची थी। जिस पति के इलाज के लिए महिला पहुंची थी उसी ने उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार सरगुजा जिले के भंडार गांव में रहने वाले विदेश पैकरा को उसकी पत्नी देवती पैकरा बलौदा के मीरादतार मजार इलाज के लिए लेकर पहुंची थी। चौकीदार सरजू चौहान ने बताया कि 5 जून की सुबह 4 बजे सभी को सलामी के लिए उठाया जा रहा था। देवती पैकरा को 3 से 4 बार आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पास जाकर देखा कि उसके सिर पर चोट के निशान हैं और खून निकल रहा है। उसका पति भी मौके पर नहीं था। मामले की सूचना बलौदा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

पति अपनी पत्नी की हत्या कर भाग गया था और उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस ने गुरुवार को भंडार गांव से आरोपी विदेश पैकरा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में विदेश पैकरा ने बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं रहती थी, इसलिए मीरादतार मजार आए थे। यहां दो दिन इलाज कराया, लेकिन कुछ अच्छा नहीं लग रहा था। पत्नी से बोला कि कुछ अच्छा नहीं लग रहा है घर चलते हैं, इस पर उसकी पत्नी ने उसकी बात नहीं सुनी और सुबह जाने की बात कही। इसी गुस्से में आकर उसने चाकू से पेट और गले पर हमला कर हत्या किया।

जामुल में गांजे का बड़ा खेप पकड़ाया, डेढ़ सौ किलो गांजा के साथ पांच वाहन जब्त

■ **तीन तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने जब्त किया 60 लाख रुपए का मशरुका**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में गुरुवार को गांजे का बड़ा खेप पकड़ाया है। जामुल पुलिस व एसीसीयू की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए डेढ़ क्विंटल गांजा के साथ एक मिनी ट्रक, दो पिकअप सहित पांच वाहन जब्त किए हैं। जब्त गांजा व वाहनों को मिलाकर पुलिस ने कुल 60 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया है। उक्त गांजा से ओड़िशा से लाकर भिलाई में खपाने की तैयारी थी लेकिन पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों नशे के खिलाफ प्रदेश भर में कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में वाहन चेकिंग के दौरान बोगदा पुल के पास नंदिनी की ओर से आती हुई टाटा मिनी ट्रक क्रमांक सीजी-07-सीएम-2874 को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देख वाहन चालक तेजी से भगाने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन पकड़ा गया। पिकअप में चालक सहित 2 अन्य बैठे हुये मिले। पूछताछ में अपना नाम घासीदास नगर निवासी सोनू डहरिया, शिव कुमार टण्डन एवं खिलावन यादव बताया।

पिकअप की तलाशी लेने पर कोयले के बोरों के बिच छिपा कर रखे गए काले रंग के 05 प्लास्टिक के बोरों में तकरीबन 150

पैकेट गांजा वजनी तकरीबन 150 किलो भरा हुआ मिला। मौके पर ही विधिवत कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से 150 किलो मादक पदार्थ गांजा एवं टाटा मीनी ट्रक कमांक सीजी-07-सीएम-2874 जब्त किया गया। विस्तृत पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा ओडिशा से गांजा मेटाडोर के माध्यम से चोर रास्तों से लाकर अपने अन्य चार पहिया वाहनों से परिवहन कर गांजा का कारोबार करना बताया।

आरोपी के पास से पुलिस ने दो महिन्द्रा पिकअप भी जब्त किए। खास बात यह है कि दोनों पिकअप का नंबर एक दूसरे से मिलते जुलते हैं। पुलिस ने सीजी-07-सीके-8551, सीजी-07-सीजे-8751, स्कोडा कार क्रमांक सीजी-07-एमबी-2167, महिन्द्रा एसयुवी 500 क्रमांक सीजी-13-यूसी-7111 को जब्त किया गया। उक्त सभी गाड़ियों को गांजे बेचकर खरीदने की बात आरोपियों ने बताई। इस मामले में पूरी कार्रवाई जामुल पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

पिकअप व मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने पर पुलिस का एक्शन, ट्रैफिक पुलिस ने 12 ड्राइवरों का लाइसेंस किया सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी की ट्रैफिक पुलिस ने पिकअप मालवाहनों में सवारियों को बैठाने वालों पर एक्शन लिया है। ट्रैफिक पुलिस में स्पेशल चेकिंग अभियान में कई इलाकों से गुजर रही 12 पिकअप गाड़ियों का चालान काटा है। जबकि ड्राइवरों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं। बेमेतरा और कवर्धा में पिकअप हादसे में 28 लोगों की मौत हो गई थी।

दरअसल, इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए रायपुर ट्रैफिक पुलिस पिछले एक हफ्ते से पिकअप गाड़ियों में सवारियों को

बैठाने से रोकने के लिए अभियान चला रही है। इस अभियान में ट्रैफिक पुलिस के टारगेट में वे माल ढोने वाली गाड़ियों के ड्राइवर है, जो कुछ पैसों के लालच में गाड़ी के पिछले हिस्से में सवारियों को बैठा लेते हैं। उस कारण दूसरों की जान भी जोखिम में होती है।

पुलिस के इन चेकिंग अभियान में पिकअप गाड़ियों पर पुलिस ने करीब 4-4 हजार रुपए का चालान काटा है। इसके अलावा गाड़ी चला रहे ड्राइवरों की लाइसेंस की जांच कर उन्हें सस्पेंड किया गया है। जिससे ग्रामीण इलाकों में पिकअप गाड़ियों में सवारी ढोने का ट्रेंड खत्म हो सके।

ट्रैफिक पुलिस ने मालवाहन चालकों से अपील की है कि वे वाहन में किसी भी हालत में सवारी भरकर न चले। ऐसा करना मोटरयान अधिनियम के तहत जुर्म है। मालवाहक में सवारी ढोते पाए जाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाहन का परमीट और चालक के खिलाफ लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी की जाएगी।

ओडिशा से सब्जी लेकर आ रही पिकअप पलटी, लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बकावंड थाना क्षेत्र के कुसमी गांव में एक तेज रफ्तार पिकअप पलट गई। इस घटना के तुरंत बाद पिकअप में आग लग गई। ड्राइवर ने किसी तरह अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम भी मौके पर जा पहुंची। पिकअप में लदे सामान को निकालने का काम शुरू कर दिया गया।

बकावंड थाना प्रभारी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 11 बजे ओडिसा से जगदलपुर सब्जी लेकर एक पिकअप निकली थी। करीब 11.30 बजे के लगभग पिकअप कुसमी के मोड़ के पास पहुंची, तभी अचानक ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। इसके बाद पिकअप मोड़ पर पलट गई। इस घटना के बाद ड्राइवर किसी तरह से बाहर आ गया, लेकिन अचानक से गाड़ी में आग लग गई। वहीं, आसपास से गुजरने वाले लोगों के साथ ही बकावंड पुलिस मौके पर पहुंची।

छत्तीसगढ़ में 13 साल की नाबालिग से गैंगरेप, चंद घंटों में पकड़ाए आरोपी

जशपुर जिले के सन्ना थाना क्षेत्र का मामला, आरोपियों में चार नाबालिग भी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 13 साल की नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। शादी समारोह से अपनी सहेली के साथ लौट रही बच्ची को रास्ते में तीन बदमाश जबरन अपने साथ जंगल ले गए और दुष्कर्म किया। इस दौरान तीन बदमाश और पहुंच गए औ उन्होंने ने भी बच्ची से दुष्कर्म किया। इसके बाद किसी तरह बच्ची अपने घर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी।

दूसरे दिन बच्ची के पिता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर चंद घंटों में पुलिस ने आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों में चार नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ धारा 363, 366, 376, 376(डी), 34(बी) एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

यह पूरा मामला जशपुर जिले के सन्ना थाना क्षेत्र का है। बुधवार को प्रार्थी ने थाना पहुंचकर बताया कि 4 जून की रात को उसके गांव में एक व्यक्ति के घर में शादी कार्यक्रम था। कार्यक्रम में उसकी 13 वर्षीय नाबालिग बेटी अपनी एक सहेली के साथ गई थी। उसकी सहेली शंकरगढ़ (बलरामपुर) से मेहमानी में उनके गांव आई हुई थी। रात करीब 12 बजे नाबालिग अपनी सहेली के साथ पैदल अपने घर वापस जा रही थी। रास्ते में गांव का युवक मनोज कुमार अपने अन्य 02 नाबालिग साथियों के साथ नशे की हालत में वहां खड़ा था। तीनों पीड़िता की सहेली को पकड़ने लगे तो वह हाथ छुड़ाकर वहां से भाग गई।

शराब के नशे में किया नाबालिग से दुष्कर्म

इसके बाद शराब के नशे में 13 वर्षीय नाबालिग को जबरदस्ती खींचते जंगल की ओर ले जा रहे थे। इस दौरान गांव के 2 लड़कों ने उन्हें ऐसा करने से रोका तो तीनों ने मारपीट कर दोनों को भगा दिया। इसके बाद तीनों नाबालिग लड़की को जंगल में ले जाकर बारी-बारी दुष्कर्म किए। इस बीच गांव का एक अन्य युवक प्रवीत पैंकरा अपने अन्य 2 नाबालिग साथियों के साथ वहां पहुंचा और इन तीनों ने भी बारी-बारी से नाबालिग से दुष्कर्म किया। आधीरात बाद बुधवार तड़के 3 बजे नाबालिग उन के चंगुल से छूटकर रोते हुये वापस घर पहुंची और अपने परिजनों को पूरी बात बताई।

रातभर में गिरफ्तार हुए सभी आरोपी

इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसडीओपी बगीचा निमिषा पाण्डेय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा निर्देशानुसार रात भर में पतासाजी कर आरोपी प्रवीत पैंकरा (21) व मनोज कुमार (24) सहित घटना में सम्मिलित शेष 04 अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों बालिग आरोपियों को जेल भेजा और नाबालिग आरोपियों को बाल संप्रेषण गृह भेजा। इस पूरी कार्रवाई में डीएसपी भावेश समरथ, निरीक्षक हर्षवर्धन चौरासे, एएसआई जयसिंह मिर्रे चैकी पण्डरापाठ, प्रधान आरक्षक प्रदीप लकड़ा, प्रवीण खलखो, आरक्षक विमलेश्वर एक्का, महिला आरक्षक. सुनिति एक्का व नगर सैनिक शिवशंकर रवि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन टीमों को किया गया रवाना

जशपुर जिला पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि प्रकरण की संवदेनशीलता को देखते हुये 03 अलग-अलग पुलिस टीम पतासाजी हेतु रवाना किया गया था। टीम द्वारा आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से सुबह तक गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी में सम्मिलित सभी अधिकारी व कर्मचारियों को नगद ईनाम से पुरष्कृत किया गया है।

तेज गर्मी और अत्याधिक शराब सेवन ने ली युवक की जान

■ **कामुलबोड़ शराब की दुकान के सामने तोड़ा दम**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में गुरुवार को एक युवक की शराब व तेज गर्मी के कारण मौत हो गई। कातूलबोड के देशी शराब की दुकान के सामने युवक ने दम तोड़ दिया। गुरुवार शाम को युवक की लाश शराब की दुकान के बाहर पड़ी रही। लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को सुपेला मरच्यूरी भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक युवक का नाम तिलक थापा (34) बताया जा रहा है। आसपास के लोगों ने बताया कि तिलक थापा पिछले दो दिन से लगातार शराब पी रहा था। तेज गर्मी और अत्यधिक शराब की वजह से शराब की दुकान के पास ही बेहोश होकर गिर गया। शाम 6 बजे के करीब युवक बेहोश होकर गिर गया और उसके बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद रात लगभग 8 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को सुपेला शास्त्री अस्पताल भेजा।

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन हेतु जिला कार्यालय दुर्ग में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने मानसून सत्र को दृष्टिगत रखते हुए बाढ़ एवं आपदा की स्थिति में प्रबंधन हेतु जिला कार्यालय, अनुविभाग कार्यालय, तहसील कार्यालय, नगर निगम, दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई-चरोदा, भिलाई-3 व जिला सेनानी एवं नगर सेना दुर्ग में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जाने के निर्देश दिए है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 1 जून 2024 से 31 अक्टूबर 2024 तक 24 घंटे स्थापित रहेंगे। इसके लिए जिला स्तर पर लता युगल उर्वशा डिप्टी कलेक्टर दुर्ग एवं तहसील स्तर पर आदित्य कुंजाम अधीक्षक भू-अभिलेख दुर्ग प्रफुल्ल कुमार गुप्ता तहसीलदार दुर्ग पंचराम सालमे तहसीलदार धमधा एवं श्रीमती मीना साहू तहसीलदार पाटन बाढ़ नियंत्रण कक्ष हेतु प्रभारी बनाए गए हैं। समस्त अधिकारी कर्मचारियों की बाढ़ नियंत्रण कक्ष में शिफ्टवार ड्यूटी लगाकर कंट्रोल रूम के फोन नंबर की सूचना फ्लक बनाई जाएगी। जिला कार्यालय के बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 07882320601 एवं तहसील स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर संभावित बाढ़ प्रभावित ग्रामों की ग्राम पंचायत/शाला भवनों में लिखवाए जाएंगे एवं संभावित बाढ़ प्रभावित ग्राम में पदस्थ शासकीय कर्मचारी व ग्राम के प्रमुख व्यक्तियों के मोबाइल नंबर नियंत्रण कक्ष में रखे जाएंगे। ज्ञात हो कि इस सिलसिले में कलेक्टर चौधरी की अध्यक्षता में विगत 21 मई 2024 को कार्यालय कलेक्टर के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी।

समस्याओं से रूबरू होने पंहुचे महापौर, पानी निकासी की समस्या होगी दूरः महापौर

दुर्ग। दुर्ग निगम के वार्ड क्रमांक 15 की समस्याओं को जानने महापौर धीरज बाकलीवाल नागरिकों से रूबरू हुये। इस दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली मौजूद रहे। इस अवसर पर महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने मौजूद अधिकारी/ कर्मचारी से वार्ड में दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पानी निकासी का संसाधन नहीं होने की शिकायत को गंभीरता से लिया। नागरिकों को आश्वस्त किया कि जल्द समस्या का निराकरण कर नाली के पानी की निकासी की व्यवस्था किये जाने को लेकर निर्देश दिये।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि नगर पालिक निगम द्वारा चलाए जा रहे अभियान राइट द फाइट की सफलता के लिए इन दोनों कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। आयुक्त लोकेश चंद्रकार ने साफसफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर ही अधिकारियों को नालियों का बेहतर ढ़ंग से सफाई करवाने निर्देश दिये। महापौर ने कहा कि शहर को और भी साफसुथरा रखने की बात कही। महापौर ने कहा कि कुछ ही दिनों में बारिश शुरू हो जाएगी। इसके लिए नालियों की नियमित सफाई हो तथा लोगों को नालियों व नाला में कचरा न डालने के लिए प्रेरित किया।महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा वार्ड 15 में पहुँचे और लोगो के द्वारा शिकायतो को संज्ञान में लिया।

अवैध प्लाटिंग पर सख्ती : भिलाई निगम ने दलालों पर नजर रखने बनाई कमेटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर अवैध कॉलोनी, अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसमें और गति लाने के लिए आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने एक संयुक्त टीम का गठन किया है। टीम में भवन अधिकारी हिमांशु देशमुख, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, एवं शहबाज अहमद, सभी जोन के सहायक राजस्व अधिकारी, सर्वेयर जगमोहन वर्मा सर सहायक राजस्व निरीक्षक शशांक शेखर, सभी संबंधित जोन के जोन आयुक्त से संपर्क करके कॉलोनी, अवैध प्लाटिंग, समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्रवाई करेंगे।

बता दें अवैध प्लाटिंग रोकने के लिए नगर निगम भिलाई निरंतर स्थल पर पहुंचकर अवैध प्लाटिंग को रोक रहा है। इसके बाद भी प्लाट खरीदने वाले लोग सचेत नहीं हो रहे हैं, उनके हित के लिए आयुक्त देवेश ध्रुव ने अपील की है कि नगर निगम भिलाई क्षेत्र में भूमि भूखंड क्रय करने के पूर्व अवैध कॉलोनीयों या प्लाटिंग के संबंध में जानकारी के लिए नगर निगम मुख्य कार्यालय भवन अनुज्ञा शाखा कक्ष क्रमांक 4 में हेल्प टैक्स स्थापित किया गया है। जिसके प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा है। इनका मोबाइल नंबर 877 0 0 6 0 306 है जिसमें फोनकर प्लॉट की वास्तविकता की जानकारी ली जा सकती है।

प्लाट की वास्तविकता जांचने सबसे पहले नगर निगम भिलाई के बिल्डिंग परमिशन शाखा में संपर्क करें, अपना खसरा ,नक्शा लेआउट ,पूर्व रजिस्ट्री जो कुछ भी उसके पास है या दलाल उसको जो भी दस्तावेज देता है जिससे उसकी विश्वास हो जाता है कि वह प्लांट खरीदेगा, वही डॉक्यूमेंट लेकर के वह नगर निगम भिलाई में आकर पता कर ले की प्लाट खरीदने लायक है या नहीं। दलाल के बहकावे में आकर प्लाट खरीद लेते हैं, नाम ट्रांसफर कर हो जाता है खसरा ,नक्शा, ऋण पुस्तिका पुस्तिका भी बन जाती है, उसके बाद जब नगर निगम भिलाई में परमिशन के लिए आते हैं तब उसे पता चलता है कि जिस प्लाट को खरीदा गया है वह अवैध प्लाटिंग के अंतर्गत है। वहां पर बिल्डिंग परमिशन नहीं मिलेगा, वह बहुत परेशान हो जाता है इससे बचना है तो नगर निगम भिलाई में संपर्क करें की जिस कॉलोनी में प्लाट खरीद प्लाट खरीद रहे हैं वह वे कि वैध है कि अवैध संतुष्ट होने के बाद ही प्लाट खरीदें।

आवारा पशुओ को पकड़ने का अभियान जारी

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में जो आवारा पशु रोड में, मार्केट में, मुख्य सड़को पर या अन्य सार्वजनिक स्थल पर घुमते हुए पाये जा रहे है उसे नगर निगम भिलाई के आवारा पशु पकड़ने वाले दल द्वारा पकड़कर गौठान में लाकर रखा जा रहा है। इसी तारत्मय में जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत निदान 1100 में प्राप्त शिकायतो के आधार पर आवारा सांड एवं पशुओ को पकड़ करके गौठान में लाया गया। नगर निगम भिलाई द्वारा बार बार समझाईस देने एवं चालानी कार्यवाही करने के बाद भी बहुत सारे पशुओ के मालिको द्वारा जानवरो के दुध निकाल लेने के बाद रोड में छोड़ देते है जिससे सड़क दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। नगर निगम भिलाई द्वारा उसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान में तोड़फोड़ दस्ता अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन-2 के सहायक राजस्व अधिकारी जगदीश तिवारी, दस्ता प्रमुख हरिओम गुप्ता अपने दल के सदस्यो के साथ मुस्दैती से इस कार्य में लगे है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के आरएमपी-3 में वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रैक्टरी मटेरियल्स प्लांट-3 प्रांगण में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा बड़ी संख्या में नीम, बादाम, करंज आदि विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। आरएमपी-3 समूह ने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। महाप्रबंधक प्रभारी रतन कुमार मुखर्जी, महाप्रबंधकगण सुशांत पाल एवं संजय नाइक सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभागीय कर्मचारियों तथा संविदा श्रमिकों ने भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्य अतिथि तापस दासगुप्ता ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षारोपण ही सर्वोत्तम उपाय है तथा हरित आवरण को बढ़ाना पर्यावरण को क्षरण से बचाने में वास्तव में सहायक है। दासगुप्ता ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र अन्य विभागों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहा है व प्रत्येक वर्ष उत्पादन के नए आयाम हासिल करने में सफल रहा है, तथा आने वाले समय में भी नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तत्पर है। उल्लेखनीय है कि आरएमपी-3 मोडेक्स इकाई अपनी स्थापना-काल से ही हर साल पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न पहल करने में सक्रिय रहा है।

जिलावार प्रथम गो-लाईव करने वाली शाखा व समितियों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना अत्तर्गत 'पैक्स कम्प्यूटराईजेशन' देश के समस्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का डिजिटलाइजेशन किया जाना है। उक्त योजना का क्रियान्वयन राज्य शासन के आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएँ. छत्तीसगढ़ रायपुर, नाबार्ड रायपुर एवं अपेक्स बैंक रायपुर के दिशा-निर्देशानुसार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के कार्यक्षेत्र तीनों जिले दुर्ग, बालोद व बेमेतरा की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन का कार्य सम्पादित किया जा रहा है।

कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी जिला सहकारी बैंक दुर्ग सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज कलेक्टर कार्यालय दुर्ग में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. दुर्ग के अंतर्गत जिले से प्रथम गो-लाईव करने वाली शाखा एवं सहकारी समितियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वाले शाखा प्रबंधक एवं समिति कर्मचारी-जिला बालोद से हेमलाल गजेन्द्र शाखा प्रबंधक, शाखा बालोद एवं अधीनस्त समितियों के प्रभारी क्रमशः मधुसूदन देशमुख बालोद व

मेढ़की, जगतराम साहू पारास व तरीद, सुशीलदास मानिकपुरी साकरा-ज है। जिला बेमेतरा से एस. के जागड़े, शाखा प्रबंधक शाखा बेमेतरा, विनोद राजपुर समिति बेमेतरा, रोशन बैस लोलेसरा व मोहतरा, उत्तरा टंडन डूण्डा, लल्लू, वर्मा कंतेली को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार जिला दुर्ग से युवराज चन्द्राकर शाखा प्रबंधक शाखा दुर्ग, घनश्याम बेलचंदन समिति कोडिया, ज्वाला देशमुख समिति आलबरस, राजकमल साहू समिति थनीद व तिरगा, किरण साहू समिति चंदखुरी एवं कोलिहापुरी, दुमनलाल साहू, समिति सिरसा को सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में हृदेश शर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एस.के निवसरकर वर्ग-1 अधिकारी, कुसुम ठाकुर अतिरिक्त मुख्य पर्यवेक्षक, सी.आर.रावटे, नोडल अधिकारी बालोद, धीरेन्द्र देवांगन, शाखा प्रबंधक मुख्यालय दुर्ग, दीनबंधु ठाकुर अधीक्षक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दुर्ग वन मंडल का जिला स्तरीय रैली एवं पौधारोपण कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन मंडल दुर्ग द्वारा पर्यावरण संरक्षण पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता के लिए व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 7 बजे वन मंडल कार्यालय से वन मंडलाधिकारी चंद्रशेखर शंकर परदेशी के मार्गदर्शन में भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

जिसमें उन्होंने खुद भी साइकिल चलाते हौसला अफ्जाई करते हुए मालवीयनगर चौक से राजेंद्र पार्क होते हुए बस स्टैंड, गांधी पुतला से शीतला मार्केट होते हुए पदमनाभपुर गौरव पथ, जेल तिराहा, ठगड़ा बांध ओवरब्रिज होते तालपुरी नगर वन में सायकिल रैली का समापन किया। सायकिल रैली में सहभागिता दिखाते हुए स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राएं, एनसीसी, एनएसएस, के केडेट्स, सामाजिक

संगठनों अधिकारी कर्मचारियों एवं नागरिकों ने अपनी अपनी साइकिलों में सामने पर्यावरण जागरूकता नारे लिखी तख्तियां टांगकर 'सुखी धरती करे पुकार, वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार, सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम, वन ही जीवन है... इत्यादि नारों के साथ रैली में शामिल हुए। रैली तालपुरी नगर वन पहुंचते ही सबने नगर वन भ्रमण किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ के पक्षी अभयारण्य गिद्धवा परसदा से आए पक्षी मित्र एवं विशेषज्ञों ने बांध में जल क्रीड़ा कर रहे पक्षियों को उनके नाम, निवास, परिचय, प्रजाति आदि के साथ बायनेकुलर के द्वारा सबको पक्षी दर्शन कराया। इसके पश्चात पौधारोपण का कार्यक्रम शुरू हुआ। संभागायुक्त श्री सत्यनारायण राठौड़ ने प्रथम पौधा रोपित कर कार्यक्रम की शुरुवात की। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला, वन मंडलाधिकारी चंद्रशेखर शंकर परदेशी, डीआईजी बीएसएफ वी.एम. बाला, डॉ. तारिक अहमद सीएमओ बीएसएफ के साथ बीएसएफ के अन्य अधिकारी एवं जवान, उप वन मंडलाधिकारी डी.के. सिंग, युवोदय जिला समन्वयक शशांक शर्मा तथा स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राएं, पर्यावरण मित्र मंडल भिलाई, स्वच्छता ही सेवा है समिति भिलाई, स्वच्छ धरा समिति, मिशन 100 करोड़ पौधारोपण समिति भिलाई, ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया दुर्ग, युवोदय दुर्ग के दूत, वृक्ष मित्र दुर्ग, अधिकारी-कर्मचारियों ने बारी बारी से पौधारोपण किया। पौधारोपण पश्चात मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संभागायुक्त एस एन राठौड़ ने वृक्ष, वन एवं ऑक्सीजन के बारे में व्यापक मार्गदर्शन दिया।

अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने व इसे जीवित रखने लोग ले जिम्मेदारी : इंद्रजीत सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी परिसर में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह छोटू और बलकर एसोशियेशन के अध्यक्ष मलकीत सिंह लल्लू ने पोधारोपण किया है। श्रमिक नेता प्रभु नाथ मिश्रा ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण से होने वाले लाभ को प्रतिपादित किया। श्री मिश्रा ने कहा कि इस दिन को मनाने के कई कारण है जिसमें एक खास कारण इंसानों को पर्यावरण के प्रति जागरुक करना है। यह बात तो सभी जानते हैं कि इंसान और पर्यावरण का बहुत ही गहरा नाता है।

हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक इंद्रजीत सिंह छोटू ने कंपनी परिसर में ट्रांसपोर्ट भाइयों के साथ आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधा रोपा और इस अवसर पर भिलाई वासियों से अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने और पौधों को जीवित रखने की जिम्मेदारी लेने की अपील की।

इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि आने वाले मानसून में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव और शहरों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना और दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को देखना है। आज 50 वां विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बढ़ते कदम विश्व पर्यावरण दिवस पर हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी परिसर में पीपल, नीम बर्गत, सहित अन्य फलदार पौधा का वृक्षारोपण किया गया।

12 तक स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह के तहत चलाई जाएंगी विभिन्न गतिविधियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन के मार्गदर्शन में जिले के कई ग्राम पंचायतों एवं अमृत सरोवर के पास विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। 5 जून को हर साल विश्व पर्यावरण दिवस यानी वर्ल्ड एनवारयमेंट डे मनाया जाता है।

लोगों को प्रकृति से जुड़ी समस्याओं के बारे में जागरुक किया जाता है, ताकि इसके लिए कुछ ठोस कदम उठाए जा सकें। इसी कड़ी में 5 जून से 12 जून तक स्वच्छ हरित

ग्राम सप्ताह अभियान चलाकर विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए पर्यावरण के प्रति जागरुक होने का संदेश दिया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के अमृत सरोवर स्थलों के पास विशेष उत्सव आयोजित किया गया। इस मौके पर अमृत सरोवर स्थलों पर वृक्षारोपण अभियान, सफाई गतिविधियां, जल संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। जल निकायों के कायाकल्प एवं जीर्णोधार के सकारात्मक प्रभावों को प्रदर्शित कर, महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत गांवों में पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए ही स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान भू-जल को रिचार्ज करने एवं जल भराव को लंबे अवधि तक रोकने में सोक पिट का निर्माण करने प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप पिट से जैविक कचरे को पोषक तत्व के रूप में जैविक खाद बनाने, कचरे से कम्पोस्ट खाद, अपशिष्ट पदार्थों का पुनः उपयोग एवं गैर-बायोडिग्रेडबेल कचरे का रिसायकलिंग के लिये प्रोत्साहित किया जाएगा। पर्यावरण दिवस उत्सव के दौरान ग्राम पंचायतों के नागरिकों, हितग्राहियों को आयोजन से संबंधित गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए प्रोत्साहित किया गया। सरोवर की सफाई की गई। इस दौरान तकनीकी सहायक श्रीमती खिलेशवरी कुर्रे, सचिव शांतनु प्रसाद गायकवाड़, सरपंच बरसन नवरंगे, रोज़गार सहायक कन्हैयालाल ठाकुर, कंप्यूटर ऑपरेटर और समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहें। वहीं ग्राम पंचायत दमोदा खुर्सीडीह के अमृत सरोवर तालाब में भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसमें ग्राम पंचायत के जनपद सदस्य माना बाई देशमुख, सरपंच अश्वनी यादव, सचिव वर्षा उइके, तकनीकी सहायक दीप्ति सिंह, रोजगार सहायक पुकेश्वर, पंच, वरिष्ट नागरिक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहें।

सेल-बीएसपी के एसएमएस 3 के सीवी-2 कॉम्बी-कास्टर का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपनी मोडेक्स इकाई, स्टील मेल्टिंग शॉप 3 में सीवी 2 कॉम्बी-कास्टर के नियमित उत्पादन के शुभारंभ के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने 06 जून 2024 को कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ की उपस्थिति में सीवी 2 कॉम्बी-कास्टर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्यपालक निदेशकों और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एसएमएस-3 और परियोजना विभाग की समर्पित टीमों, संबद्ध शॉप्स एवं एजेंसियों के सदस्यों को सीवी-2 कास्टर से

सफल हॉट ट्रायल और उसके बाद लिए गए हीट सीक्वेंस के लिए सामूहिक रूप से बधाई दी। और एसएमएस-3 की टीम को भविष्य में भी संयंत्र के लिए वांछित उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीवी-2 कॉम्बी-कास्टर का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

8 जून 2023 को मूलतः बीम ब्लैंक कास्टर के रूप में कमीशन किए गए कास्टर सीवी 2 को फिनिशिंग मिलों द्वारा बिलेट्स और ब्लूम्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कॉम्बी-कास्टर में परिवर्तित किया गया। इस अवसर पर इस रूपांतरण परियोजना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मुख्य महाप्रबंधक राजीव कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक एम के गुप्ता और महाप्रबंधक जेरी निनान के साथ-साथ उनकी पूरी परियोजना-स्टील जोन टीम भी उपस्थित थी। इसके साथ साथ मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण सहित महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष ए बी श्रीनिवास, महाप्रबंधक यतेंद्र कुमार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण और विभागीय कर्मी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इन सभी अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर एसएमएस-3 सहित और परियोजना की टीमों को भी सामूहिक रूप से बधाई दी। इस दौरान विश्व पर्यावरण दिवस-2024 के अंतर्गत, अतिथियों द्वारा एसएमएस-3 के परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

सीवी 2 के कॉम्बी-कास्टर में रूपांतरण की यह उल्लेखनीय उपलब्धि मेसर्स प्राइम मेटल्स और बीएसपी के प्रोजेक्ट्स डिपार्टमेंट और एसएमएस-3 की टीमों के संयुक्त प्रयासों से हासिल हुई। इन टीमों ने एक वर्ष से भी कम समय में सीवी 2 को सफलतापूर्वक कॉम्बी-कास्टर में परिवर्तित किया। यह रूपान्तरित कॉम्बी-कास्टर ब्लूम्स और बीम ब्लैंक्स दोनों का उत्पादन करने में सक्षम है।

युवक-युवतियों को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संस्थान द्वारा दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों हेतु 10 जून से निःशुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण हेतु दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 18 से 45 वर्ष के युवक-युवतियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड, नरेगा जॉब कार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक-युवतियों को निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार विकास को सुगम बनाना है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्म उत्पादकता, सशक्तिकरण, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे में शिक्षण प्रदान करते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950